लखनऊ

रविवार 11 जनवरी, 2026

वर्ष : 11 । अंक: 142

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

दूसरों के व्यवहार को अपने मन की शांति को नष्ट करने का अधिकार न दें।

TODAY WEATHER

DAY 20° Hi

NIGHT 10° Low

संक्षेप

नीतीश सरकार ने 22 आईएएस अधिकारियों का किया तबादला, शुभम कुमार बने नालंदा के डीडीसी

पटना। बिहार सरकार ने जिला एवं अनुमंडल स्तर पर प्रशासनिक ढांचे में फेरबदल करते हुए भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के 22 अधिकारियों का तबादला किया है। शुक्रवार को इसकी अधिसूचना जारी की गयी। इस तबादले की सबसे अधिक चर्चा 2020 बैच के 'आईएएस टॉपर' शुभम कुमार को लेकर है। कटिहार जिले के रहने वाले शुभम कुमार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के गृह क्षेत्र नालंदा का उप विकास आयुक्त (डीडीसी) बनाया गया है। वह अब तक भागलपुर नगर निगम के नगर आयुक्त के पद पर कार्यरत थे। वहीं, 2022 बैच के आईएएस अधिकारी ऋतुराज प्रताप सिंह को राज्य के प्रमुख नगर निगमों में शामिल मुजफ्फरपुर का नगर आयुक्त नियुक्त किया गया है। इस व्यापक तबादले में नौ जिलों को नए डीडीसी मिले हैं, जबकि पांच आईएएस अधिकारियों को अनुमंडल स्तर की जिम्मेदारी सौंपी गई है। अधिसूचना के अनुसार, 2019 बैच के आईएएस अधिकारी समीर सौरभ को जिला परिषद (पटना) के उप विकास आयुक्त-सह-मुख्य कार्यपालक अधिकारी के पद से स्थानांतरित कर बिहार राज्य दुग्ध सहकारी संघ लिमिटेड (कंफेड) का प्रबंध निदेशक नियुक्त किया गया है। उनके पद को संयुक्त सचिव स्तर के समकक्ष घोषित किया गया है।नालंदा के नगर आयुक्त 2019 बैच के अधिकारी दीपक कुमार मिश्रा को मुख्यमंत्री सचिवालय में संयुक्त सचिव नियुक्त किया गया है। साथ ही उन्हें बिहार विकास मिशन के कार्यालय में अपर निदेशक-सह-मिशन निदेशक का अतिरिक्त प्रभार भी सौंपा गया है। वर्ष 2020 बैच के अधिकारियों में अभिषेक पलासिया को खगड़िया से तबादला कर गया नगर निगम का नगर आयुक्त बनाया गया है, जबकि कुमार निशांत विवेक को गोपालगंज से स्थानांतरित कर बिहार शरीफ नगर निगम, नालंदा का नगर आयुक्त नियुक्त किया गया है।

एकनाथ शिंदे ने साधा उद्धव-राज पर निशाना, कहा- ब्रांड से प्रभावित नहीं होते लोग

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए कहा कि अब मतदाता तथाकथित "ब्रांड" नेताओं से प्रभावित नहीं होते, बल्कि उन नेताओं का साथ देते हैं जो विकास करते हैं। ठाणे जिले में होने वाले नगर निकाय चुनावों के लिए शुक्रवार को एक रैली को संबोधित करते हुए शिवसेना नेता शिंदे ने कहा कि महायुति सरकार सक्रिय और प्रभावी ढंग से काम कर रही है, न कि ऐसी सरकार की तरह जो बार-बार कामकाज स्थगित करती रहती हो। उन्होंने कहा, ''आने वाले कल्याण-डोंबिवली नगर निगम चुनाव में मतदाता राजनीतिक ब्रांडिंग से आगे बढ़कर काम और विकास को समर्थन देंगे।'' शिंदे ने बताया कि कल्याण-डोंबिवली नगर निगम चुनाव से पहले ही 21 उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित हो चुके हैं, जिससे साफ है कि विपक्ष महायुति के उम्मीदवारों को चुनौती देने की स्थिति में नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि उम्मीदवारों को प्रभावित करने की कोशिशें जरूर हुईं, लेकिन जनता का फैसला साफ तौर पर विकास के पक्ष में है। कल्याण-डोंबिवली को महायुति का

प्रयागराज पहुंचे मुख्यमंत्री योगी , त्रिवेणी संगम में लगाई आस्था की डुबकी, माघ मेला की समीक्षा की

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को प्रयागराज में चल रहे माघ मेले की समीक्षा के लिए अधिकारियों और जन प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रयागराज में तीर्थयात्रियों को डिजिटल मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए माघ मेला सेवा ऐप का भी उद्घाटन किया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री शनिवार को माघ मेले की तैयारियों की समीक्षा के लिए प्रयागराज पहुंचे। उनकी यात्रा आध्यात्मिक गतिविधियों से भी भरी रही, क्योंकि उन्होंने त्रिवेणी संगम में स्नान किया।

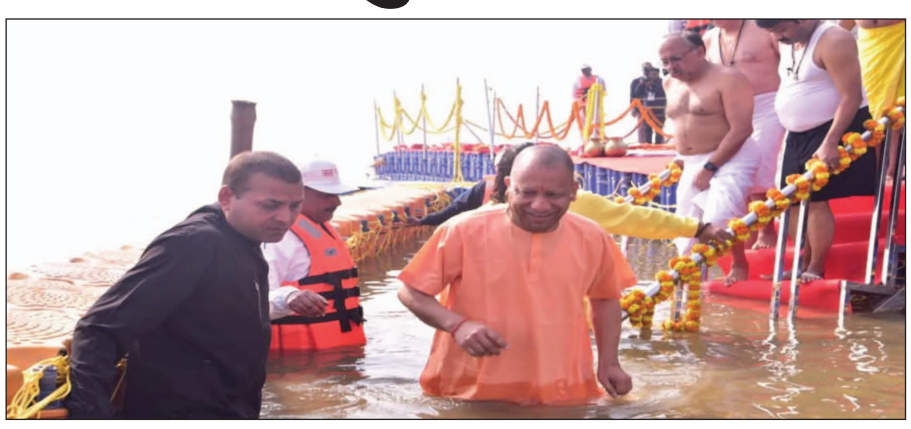

योगी आदित्यनाथ ने लेते हनुमान जी मंदिर में भी पूजा-अर्चना की और मंदिर परिसर में गायों को चारा खिलाया। योगी आदित्यनाथ ने रामानंदाचार्य की 726वीं जयंती के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में भी भाग लिया, जहां उन्होंने सभी समुदायों के बीच एकता का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि 700 वर्ष पूर्व, जगद्गुरु रामानंदाचार्य भगवान ने सभी समुदायों में एकता का आह्वान किया था। उन्होंने कहा था कि प्रत्येक व्यक्ति को ईश्वर की शरण लेने का अधिकार है। उन्होंने समाज को एकजुट करने के लिए विभिन्न जातियों के शिष्यों को अपने साथ लिया। प्रयागपुर (उत्तर प्रदेश) का माघ मेला, जो पवित्र त्रिवेणी संगम पर आयोजित होता है, जहां गंगा, यमुना और पौराणिक सरस्वती नदियों का संगम होता है, भारत के सबसे बड़े तीर्थयात्राओं में से एक है। इस तीर्थयात्रा का नाम हिंदू महीने माघ के नाम पर रखा गया है, जो आमतौर पर जनवरी-फरवरी में पड़ता है। प्रयाग माघ मेला 45 दिनों की तीर्थयात्रा है जो पौष पूर्णिमा (पौष महीने की पूर्णिमा) से शुरू होकर महाशिवरात्रि पर समाप्त होती है, और पूरे माघ महीने को कवर करती है। पौष माह की पूर्णिमा के दिन स्नान (पवित्र स्नान) के साथ मेले का शुभारंभ होता है। मेले के दौरान कुल छह स्नान होते हैं, जैसे पौष पूर्णिमा, मकर संक्रांति (माघ माह का प्रारंभ), शत्तिला एकादशी (माघ माह में कृष्ण पक्ष), मौनी अमावस्या (माघ माह की अमावस्या जब लोग मौन व्रत लेते हैं), बसंत पंचमी (माघ शुक्ल पंचमी, माघ माह में चंद्रमा के बढ़ते चरण का पांचवा दिन), अचल सप्तमी (माघ माह में चंद्रमा के बढ़ते चरण का सातवां दिन, जिसे भगवान सूर्य के जन्मदिन के रूप में मनाया जाता है), जय एकादशी (माघ माह में चंद्रमा के बढ़ते चरण के ग्यारहवें दिन रखा जाने वाला उपवास) और माघ पूर्णिमा (माघ माह की पूर्णिमा)।

4.2 डिग्री के साथ दिल्ली में सीजन की सबसे ठंडी सुबह, एक्यूआई भी 400 के पार; विजिबिलिटी कम होने से उड़ानें प्रभावित

नई दिल्ली, एजेंसी। हल्की बारिश के बावजूद राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) को प्रदूषण से कोई खास राहत नहीं मिली। दिल्ली, नोएडा और गाजियाबाद के कई इलाकों में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) खतरनाक श्रेणी में दर्ज किया गया और कई जगह यह 400 के पार पहुंच गया। प्रदूषण के साथ-साथ ठंड और घने कोहरे ने भी लोगों की परेशानियां बढ़ा दी हैं। मौसम विभाग के मुताबिक आने वाले दिनों में न्यूनतम तापमान में और गिरावट आने की संभावना है, जिससे ठिठुरन भरी ठंड से फिलहाल निजात मिलती नहीं दिख रही। दिल्ली के विभिन्न इलाकों में प्रदूषण का स्तर बेहद खराब रहा।

'समाजवादी पार्टी के कई विधायक भाजपा में आने को तैयार'

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने शुक्रवार को दावा किया कि समाजवादी पार्टी (सपा) के कई विधायक भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में आने को तैयार हैं लेकिन भाजपा उन्हें शामिल नहीं कर रही। आगरा के दौरे पर आये मौर्य ने केंद्र सरकार द्वारा लाई गई विकसित भारत जी राम जी योजना की प्रशंसा करते हुए यहां 'सर्किट हाउस' में पत्रकारों से कहा कि इस नयी व्यवस्था से भ्रष्टाचार पर अंकुश लगेगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और सपा सहित अन्य विपक्षी राजनीतिक दलों को इस व्यवस्था से दिक्कत है।

उन्होंने कहा, ''जब से अखिलेश यादव बिहार में चुनाव हार कर लौटे हैं, तभी से वह बौखलाए और घबराए हुए हैं। वह मुंगेरीलाल के हसीन सपने देख रहे हैं कि 2027 में सरकार बना लेंगे और समाज को बांटकर राज करेंगे।'' मौर्य ने कहा कि सपा ने ''झूठ फैलाकर'' 2024 के लोकसभा चुनाव में कुछ सीट जरूर हासिल कर ली थीं लेकिन उस भ्रम को हरियाणा, महाराष्ट्र, दिल्ली और बिहार की जनता ने नकार दिया। उन्होंने दावा किया कि सपा के कई विधायक भाजपा में आना चाहते हैं लेकिन भाजपा उन्हें पार्टी में शामिल नहीं कर रही।

अमित शाह ने किया दावा- एक साल में भारत तीसरी अर्थव्यवस्था बनेगा, आत्मनिर्भरता के लिए स्वदेशी अपनाना होगा

जोधपुर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि 11 साल में भारत दुनिया की 11वीं अर्थव्यवस्था से चौथे नंबर पर आ गया है। पूरा विश्वास है कि अगले एक साल में यह तीसरे नंबर की अर्थव्यवस्था होगा। सर्वोच्च स्थान पर जाने के लिए एक मात्र रास्ता आत्मनिर्भरता है। इसका एक ही सूत्र है- स्वदेशी। शनिवार को जोधपुर में माहेश्वरी समाज के महाधिवेशन को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि जितना हो सके स्वदेशी वस्तुओं का उपयोग करना चाहिए। दुकानदारों को भी जितना हो सके स्वदेशी वस्तुओं की बिक्री करनी चाहिए।

स्वदेशी के साथ स्वभाषा भी अपनाएं

उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भता का दूसरा पहलू स्वदेशी है। सभी से आह्वान है कि आप ऐसी वस्तुओं का निर्माण करें जो देश में नहीं बनती हों। कार्यक्रम को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने संबोधित करते हुए माहेश्वरी समाज के देश ओर राज्य की प्रगति में दिए योगदान के प्रति आभार प्रकट करते हुए सतत योगदान की बात कही। गृहमंत्री ने कहा कि हमें दुनिया में आगे बढ़ने के लिए हर तरह की भाषा सीखनी चाहिए। प्रगति के लिए यह आवश्यक है, लेकिन स्वभाषा को भी नहीं भूलना है। बच्चों के साथ स्वभाषा का ही प्रयोग करें। मारवाड़ी और राजस्थानी में बात करें, जिससे वह अपनी संस्कृति और इतिहास से जुड़े रहें। यह वह समाज है जो तलवार ओर तराजू दोनों रखते हैं।

भामाशाहों की सूची बहुत लंबी :गृहमंत्री ने कहा कि माहेश्वरी समाज के भामाशाहों की सूची बहुत लंबी है। यह वह समाज है, जिसने अपने मूल जड़ को पकड़े रखा है। देश को जिस प्रकार जरूरत पड़ी इस समाज ने सहयोग किया है। जॉब सिकर नहीं होकर जॉब क्रिएटर हैं। संस्कृति पुर्नजागरण के योगदान का महत्व इस बात से लगाया जा सकता है कि आजादी के बाद राम मंदिर आंदोलन में बलिदान देने वाले पहले दो भाई माहेश्वरी थे।

शेखावत ने सुनाया पीएम का संदेश

प्रधानमंत्री कार्यालय से आए संदेश को केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने पढ़ा। संदेश में था कि माहेश्वरी समाज मेक इन इंडिया, आत्मनिर्भर भारत में सहायक होगा। ऐसे आयोजन से युवाओं को नवाचार की प्रेरणा मिलती है। वे स्वयं को राष्ट्रनिर्माण की प्रक्रिया से जोड़ते हैं। नीतिगत सुधारों के साथ समाज की भागीदारी नया मार्ग बनाती है। यह आयोजन युवाओं की प्रगति को नई दिशा देगा और विकसित भारत की पहल को मजबूत करेगा।

त्याग और समर्पण ही पहचान :लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि माहेश्वरी समाज भगवान महेश के संस्कारों पर चलने वाला समाज है। हमारे पुरखों ने कड़ी मेहनत से नींव खड़ी की है। हमारी जिम्मेदारी है कि उनके सिद्धांतों पर चलें। देश में हमारा सम्मान, त्याग और समर्पण ही हमारी पहचान है। हम आत्मनिर्भर भारत बनाने में सहयोगी रहेंगे।

एमजीएनरेगा पर कांग्रेस का 'महा-संग्राम'

मोदी सरकार पर लगाया काम का अधिकार छीनने का आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने शनिवार को 'एमजीएनरेगा बचाओ संग्राम' नामक राष्ट्रव्यापी अभियान की घोषणा की। पार्टी के संचार प्रभारी महासचिव जयराम रमेश ने मोदी सरकार पर ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना को कमजोर करने और लोगों से काम और आजीविका के अधिकार को 'छीनने' का आरोप लगाया। केंद्र सरकार द्वारा एमजीएनरेगा के स्थान पर एक नया कानून - विकसित भारत - रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) (वीबी-जी-जी-आरएएम जी) अधिनियम - लागू करने के बाद कांग्रेस ने 'एमजीएनरेगा बचाओ संग्राम' नामक राष्ट्रव्यापी तीन-चरण आंदोलन की घोषणा की है। एक पोस्ट में, जयराम रमेश ने कहा कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस देशभर में प्रत्येक जिला कांग्रेस कमेटी (डीसीसी) कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित करेगी। जयराम रमेश ने अपनी पोस्ट में कहा कि आज, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस देशभर में प्रत्येक जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस के साथ एमजीएनरेगा बचाओ संग्राम की शुरुआत कर रही है। केंद्र सरकार को निशाना बनाते हुए राज्यसभा सांसद ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार ने नीतिगत फैसलों और प्रशासनिक उपायों के जरिए इस प्रमुख ग्रामीण रोजगार योजना को बुरी तरह कमजोर कर दिया है। उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस इस संघर्ष को तब तक जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध है जब तक हम काम, आजीविका और जवाबदेही के उस अधिकार को बहाल नहीं कर लेते, जिसे मोदी सरकार ने एमजीएनआरईजीए को ध्वस्त करके छीन लिया है। 2005 में लागू एमजीएनआरईजीए योजना के तहत हर उस ग्रामीण परिवार को एक वित्तीय वर्ष में 100 दिन का मजदूरी रोजगार सुनिश्चित किया जाता है, जिसके वयस्क सदस्य अकुशल शारीरिक श्रम करने के लिए स्वेच्छा से आगे आते हैं। कांग्रेस ने बार-बार आरोप लगाया है कि मजदूरी भुगतान में देरी, आवंटन में कमी और आधार-आधारित भुगतान प्रणाली को अनिवार्य किए जाने के कारण हाल के वर्षों में यह योजना कमजोर हो गई है।

सीएम ममता ने सीईसी को लिखा पत्र : कहा- एसआईआर से लोकतांत्रिक ढांचे पर चोट, मामूली गलतियों पर परेशान किए जा रहे मतदाता

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव से पहले आई-पैक के कार्यालय पर ईडी की छापेमारी से शुरू हुआ विवाद लगातार बढ़ता जा रहा है। मामले में कोलकाता पुलिस ने शनिवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के उन अधिकारियों की पहचान करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है, जो आई-पैक प्रमुख प्रतीक जैन के घर और दफ्तर पर छापेमारी में शामिल थे। यह कार्रवाई टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी की शिकायत पर दर्ज एफआईआर के बाद की जा रही है। आरोप है कि केंद्रीय एजेंसी के अधिकारियों ने वहां से दस्तावेज चुराए हैं।

शनिवार सुबह शेक्सपियर सरानी थाने की पुलिस टीम ने जैन के घर का दौरा किया। पुलिस ने वहां से सीसीटीवी फुटेज और डीवीआर रिकॉर्डिंग अपने कब्जे में ले ली है।

इसके अलावा, घर के कर्मचारियों और सुरक्षा गार्डों के बयान भी दर्ज किए गए हैं। पुलिस का कहना है कि पहचान पूरी होने के बाद आरोपियों को नोटिस भेजा जाएगा। वहीं दूसरी ओर ईडी ने पश्चिम बंगाल सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए सुप्रीम कोर्ट रूख किया है। ईडी ने आरोप लगाया है कि पश्चिम बंगाल सरकार उसकी जांच और तलाशी अभियान में दखल दे रही है और काम में बाधा डाल रही है।

क्या हैं आरोप?

ममता बनर्जी ने शुक्रवार को ईडी और सीआरपीएफ कर्मियों के खिलाफ दो शिकायतें दर्ज कराई थीं। शिकायतों के आधार पर, कोलकाता और बिधाननगर पुलिस ने एफआईआर दर्ज की और जांच शुरू की। शिकायत में पुलिस ने चोरी, जबरन घुसने, धमकी देने और आईटी एक्ट की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। शिकायत में कहा गया है कि ईडी अधिकारियों ने टीएमसी के चुनाव से जुड़े दस्तावेज चुराए और इलेक्ट्रॉनिक डेटा डिलीट कर दिया।

मामले पर क्या बोले अधिकारी?

मामले के बारे में और बताते हुए, अधिकारी ने कहा कि केंद्रीय एजेंसी के कर्मियों ने गुरुवार सुबह लगभग 6:15 बजे जैन के लाउडन स्ट्रीट अपार्टमेंट में तलाशी ली थी, लेकिन कोलकाता पुलिस को पांच घंटे बाद ईमेल के जरिए सूचित किया गया। अधिकारी ने आरोप लगाया, 'तलाशी की खबर मिलने पर, डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस (साउथ) समेत पुलिस अधिकारी ईडी अधिकारियों से बात करने के लिए आवास पर गए। वहां मौजूद ईडी और सीआरपीएफ कर्मियों ने उन्हें रोका, और कई बार अधिकारियों की ओर लाठियां भी उठाईं।'

एसडीएमसी मेयर की टिप्पणी पर भड़की आप, भेड़-बकरियों के साथ पार्षदों ने किया प्रदर्शन, राजा इकबाल का मांगा इस्तीफा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली नगर निगम के मेयर राजा इकबाल सिंह की आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर आम आदमी पार्टी ने नाराजगी जाहिर है। शनिवार (10 जनवरी) को AAP के पार्षद एसडीएमसी मुख्यालय पहुंचे। खास बात ये है कि इस दौरान पार्षद अपने साथ भेड़ और बकरियों को साथ लेकर पहुंचे थे। यहां AAP पार्षदों ने राजा इकबाल के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया और उनका इस्तीफे की मांग की। दरअसल शुक्रवार को हुई एसडीएमसीसदन की बैठक में बीजेपी मेयर राजा इकबाल सिंह ने कथित तौर पर महिला पार्षदों के लिए "भेड़बकरी" जैसे आपत्तिजनक शब्दों के प्रयोग किया था। जिसको लेकर बवाल शुरू हो गया। AAP पार्षदों ने इकबाल सिंह की आपत्तिजनक टिप्पणी पर कड़ी नाराजगी जताई। पार्टी ने सोशल

मीडिया पर एक पोस्ट शेयर करते हुए कहा कि बीजेपी या तो इन भेड़-बकरियों को अपनी पार्टी की सदस्यता दे और चुनाव लड़वाए, अगर वह ऐसा नहीं करती है तो तुरंत राजा इकबाल सिंह को बर्खास्त करे। शनिवार को एसडीएमसी नेता विपक्ष और आम आदमी पार्टी के पार्षद अंकुश नारंग की अगुवाई में सिविक सेंटर, एसडीएमसी मुख्यालय स्थित मेयर दफ्तर के बाहर AAP के सभी निगम पार्षदों ने बीजेपी मेयर राजा इकबाल सिंह के खिलाफ "भेड़-बकरी" ले जाकर विरोध प्रदर्शन किया। इसमें भारी संख्या में महिलाएं भी शामिल हुईं।

महिलाओं ने की जमकर नारेबाजी

इस दौरान सभी लोगों ने हाथों में बीजेपी महिला विरोध लिखी तख्तियां ले रखीं थीं। महिलाओं ने बीजेपी के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। AAP पार्षदों ने कहा कि मेयर ने पार्षदों के साथ ही महिला पार्षदों का अपमान किया है, उन पर अभद्र टिप्पणी की है। उन्होंने कहा कि मेयर को अपने पद पर बने रहने का कोई हक नहीं, उन्हें तुरंत इस्तीफा देना चाहिए। महिलाओं ने कहा कि हम मेयर राजा इकबाल के लिए भेड़-बकरी लेकर आए हैं। बीजेपी इन्हें अपनी पार्टी में शामिल करे क्योंकि बीजेपी के मेयर की नजर में महिला पार्षद भेड़-बकरियां हैं।

'मेयर की टिप्पणी महिलाओं के सम्मान पर हमला'

इस दौरान पार्षद अंकुश नारंग ने कहा कि यह घटना केवल शब्दों की मर्यादा तोड़ने का मामला नहीं, बल्कि महिलाओं के सम्मान पर सीधा हमला है। उन्होंने कहा कि पूरे देश में बीजेपी की बेटियों और महिलाओं के प्रति विरोधी मानसिकता बार-बार उजागर होती रही है। उन्होंने कहा किआम आदमी पार्टी देश की हर बेटी और हर महिला के सम्मान, सुरक्षा और न्याय के लिए मजबूती से खड़ी है।

'चुनाव आते ही एक्टिव हो जाती है ईडी'

कपिल सिब्बल बोले- विपक्ष को डराने के लिए भाजपा ने दी खुली छूट

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम बंगाल में प्रवर्तन निदेशालय की कार्रवाई को लेकर राजनीति गरमाई हुई है। इसी बीच इस कार्रवाई को लेकर राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि आज उन्हें यूपीए सरकार का 2004 से 2014 तक का कार्यकाल याद आ गया। आज जिस तरह अखबारों में खबरें छप रही है वैसी हमने उन 10 सालों में नहीं देखीं है, क्योंकि हमने ईडी को इतनी खुली छूट नहीं थी।

कपिल सिब्बल ने कहा कि उस दौरान किसी भी राजनीतिक दल या नेता पर झूठी जानकारी के आधार पर मुकदमा नहीं चलाया था। उन्होंने कहा कि जब प्रवर्तन निदेशालय का गठन हुआ था, तब यह नहीं पता था कि इसे एक सर्वव्यापी अभियोजन

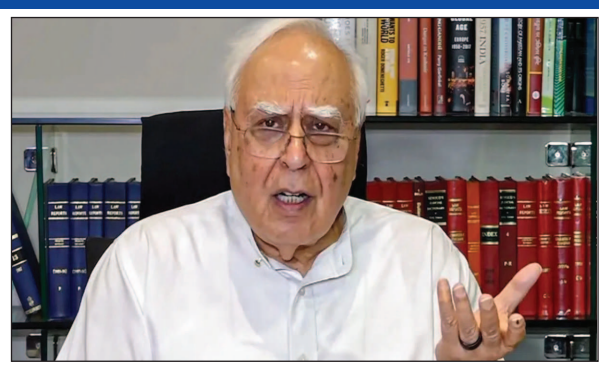

एजेंसी बना दिया जाएगा, जो भारत में कहीं भी, कभी भी जा सकती है और पूरे संघीय ढांचे पर इस तरह से हमला कर सकती है। उन्होंने कहा कि बीजेपी ईडी का इस्तेमाल विपक्षी नेताओं को परेशान करने के लिए कर रही है।

राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने कहा कि चुनाव आते ही जांच एजेंसियों को अचानक दस्तावेजों की याद आ जाती है। सिब्बल ने पश्चिम बंगाल में ईडी की कार्रवाई का मामला उठाया। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में जहां भाजपा चुनाव नहीं जीत सकती, वहां ममता बनर्जी और तृणमूल कांग्रेस (TMC) को परेशान करने के लिए ईडी का इस्तेमाल किया जा रहा है।

जिस आंगन में कन्यादान होना था, वहीं टूटकर बिखरे सपने, तय हो चुका था रुबी का रिश्ता

आर्यावर्त संवाददाता

मेरठ। मेरठ के सरधना के कपसाड़ गांव में हुए जघन्य हत्याकांड ने सिर्फ एक महिला की जान नहीं ली बल्कि एक पिता के अरमानों और एक मां की ममता का भी गला घोंट दिया। शुक्रवार को मृतका सुनीता के शव के पास जो मंजर था वह पत्थर दिल इंसान को भी रुला देने वाला था। परिवार की आंखों में जहां हत्यारों के लिए आक्रोश था, वहीं अपनी लाड़ली बेटी रूबी के लिए बेबसी और गहरा गम साफ झलक रहा था। सतेंद्र और सुनीता की दुनिया उनके तीन बेटों- नरसी, मनदीप, शिवम और सबसे छोटी, सबकी लाड़ली इकलौती बेटी रूबी के इर्द-गिर्द घूमती थी।

तीन बेटों के बाद जब रूबी का जन्म हुआ था, तभी से मां सुनीता ने उसके कन्यादान के सपने देखने शुरू कर दिए थे। वह समय करीब भी आ गया था, रूबी का रिश्ता तय हो चुका था और अप्रैल में उसके हाथ पीले होने थे। मां सुनीता अभी से बेटी की विदाई की तैयारियों में जुटी थी उसे क्या पता था कि जिस बेटी को वह डोली में बिठाना चाहती है उसे दबंग उठाकर ले जाएंगे।

भाई बोले- मां के अंतिम दर्शन भी नहीं कर पाएगी बहन

शुक्रवार को जब सुनीता का शव घर के आंगन में रखा था, तो तीनों भाई नरसी, मनदीप और शिवम फफक-फफक कर रो पड़े। उनकी सिसकियां कलेजा चौर रही थीं। वे बार-बार एक ही बात कह रहे थे, हमारी बहन मां की सबसे लाड़ली थी।

मां उसकी पसंद का ही हर सामान लाती थी, लेकिन आज बदकिस्मती देखो कि वो अपनी मां के अंतिम दर्शन भी नहीं कर पाएगी। भाइयों को मलाल था कि जिस बहन को वे डोली में विदा करने वाले थे, आज वह उनके पास नहीं है और मां की मौत हो चुकी है।

महिलाओं ने पुलिस को दिखाईं चूड़ियां

मेरठ के सरधना में समाजसेवी नेहा गौड़ और सुनीता की घर की महिलाओं ने आरोपी की गिरफ्तारी की मांग को लेकर पुलिस प्रशासन के सामने हंगामा किया। महिलाओं ने पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाया और नारेबाजी की। इस दौरान महिलाओं ने पुलिस प्रशासन को चूड़ियां दिखाई। महिला पुलिसकर्मियों ने हंगामा कर रही महिलाओं को किसी तरह समझाकर शांत किया।

गलियों में पसरा रहा सन्नाटा

गांव की ज्यादातर सड़क शाम के समय तक सूनसान रहीं। कुछ जगह पर बुजुर्ग आपस में बात करते हुए दिखाई दिए। गांव की तमाम गलियों में ग्रामीणों से ज्यादा पुलिस के जवान नजर आए। तनाव के चलते अधिकांश ग्रामीणों ने बच्चों को घरों से नहीं निकलने दिया और स्वयं भी छतों से ही बाहर देखते रहे। सीमाएं सील किए जाने के कारण नौकरीपेशा लोग भी गांव से बाहर नहीं जा पाए।

दिल्ली- लखनऊ तक मची हलचल

इस मामले ने लखनऊ से दिल्ली तक हलचल मचा दी। पीड़ित परिवार से मिलने के लिए गांव में सभी दलों के नेताओं का तांता लग गया। सपा विधायक अतुल प्रधान और गुलाम मोहम्मद ने परिजनों से मुलाकात की। इसके अलावा सपा जिलाध्यक्ष कर्मवीर गुमी, पूर्व विधायक योगेश वर्मा, पूर्व विधायक विनोद हरित, भीम आर्मी जिलाध्यक्ष बिजेंद्र सूद, बावर चौहान, आसपा जिलाध्यक्ष चरण सिंह भी पहुंचे। वहीं, भाजपा के पूर्व केंद्रीय मंत्री संजीव बालियान, भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष शिवकुमार राणा, रालोद के जिला पंचायत सदस्य प्रताप लोईया भी गांव पहुंचे और पीड़ित परिवार से मुलाकात की। अतुल प्रधान ने निजी कोष से दो लाख रुपये की आर्थिक मदद सौंपी।

सरधना से अपहृत युवती का दूसरे दिन भी सुराग नहीं

मेरठ के सरधना के कपसाड़ गांव से अपहृत युवती का दूसरे दिन शुक्रवार को भी सुराग नहीं लग सका। वहीं नामजद आरोपियों को भी पुलिस गिरफ्तार नहीं कर सकी। दिनभर युवती की मां सुनीता का शव लेकर परिवार घर में ही बैठा रहा। सपा, बसपा, भीम आर्मी, असपा नेता-कार्यकर्ता और स्थानीय लोग हंगामा करते रहे। पुलिस ने गांव और आसपास का इलाका भी छावनी में तब्दील कर दिया।

48 घंटे में रुबी को तलाशने का आश्वासन

करीब 19 घंटे की जद्दोजहद के बाद पूर्व विधायक संगीत सोम, एसपी देहात अभिजीत कुमार, एडीएम सिटी की मौजूदगी में पुलिस ने लिखित वादा किया कि 48 घंटे के भीतर रुबी को तलाश कर लिया जाएगा। परिवार के एक सदस्य को स्थानीय चीनी मिल में स्थायी रोजगार दिया जाएगा।

गांव में पुलिस बल की होगी तैनाती

10 लाख रुपये का चेक दिया गया। परिवार के एक सदस्य को शस्त्र लाइसेंस दिलाने का भरोसा दिया। सुरक्षा के लिए गांव में पुलिस बल की तैनाती की जाएगी। इसके बाद रात करीब पौने 8:00 बजे सुनीता का अंतिम संस्कार हो सका। बेटे नरसी ने मुखाग्नि दी।

हंगामे के बाद सपा विधायक को दिया गांव में प्रवेश

इससे पहले बृहस्पतिवार रात 12 बजे जब सुनीता का शव गांव पहुंचा तो परिजनों ने दो टूक कह दिया था कि जब तक बेटी मिल नहीं जाएगी वे सुनीता का अंतिम संस्कार नहीं करेंगे। वहीं सपा विधायक अतुल प्रधान को गांव के बाहर रोकने को लेकर हंगामा हुआ। पीड़ित परिवार ने विधायक को गांव के अंदर प्रवेश कराया।

मनरेगा ग्रामीण गरीबों, मजदूरों व किसानों की आजीविका की है रीढ़ : अभिषेक सिंह राणा

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। काम के अधिकार की रक्षा और महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) को कमजोर किए जाने के विरोध में कांग्रेस द्वारा चलाए जा रहे "मनरेगा बचाओ संग्राम" अभियान को लेकर बुधवार को जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय सुल्तानपुर में पत्रकार वार्ता आयोजित की गई। वार्ता के दौरान कांग्रेस जिला अध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा ने कहा कि मनरेगा ग्रामीण गरीबों, मजदूरों और किसानों की आजीविका की रीढ़ है, लेकिन केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तावित प्रावधानों के माध्यम से इस कानून की मूल भावना को समाप्त करने का प्रयास किया जा रहा है। इससे रोजगार की गारंटी कमजोर होगी और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर गंभीर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने आगे कहा कि मनरेगा केवल रोजगार योजना नहीं बल्कि संविधान प्रदत्त अधिकार है, जिसे किसी भी कीमत पर खत्म नहीं होने दिया जाएगा। कांग्रेस लोकतांत्रिक और शांतिपूर्ण तरीके से जनता के साथ मिलकर इस लड़ाई को सड़क से सदन तक लड़ेगी। उनके द्वारा बताया कि पार्टी ने इस मुद्दे को लेकर 10 जनवरी से 25 फरवरी 2026 तक चरणबद्ध आंदोलन का निर्णय लिया है। इसके तहत जिला, ब्लॉक, पंचायत, वार्ड स्तर पर जनसंपर्क, धरना-प्रदर्शन, उपवास, प्रेस कॉन्फ्रेंस और राज्य स्तरीय घेराव जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। पूर्व विधायक शिवनरायन मिश्र ने कहा कि इस अभियान के माध्यम से मनरेगा मजदूरों, महिलाओं, दलितों, आदिवासियों और वंचित वर्गों को संगठित कर उनकी आवाज़ बुलंद की जाएगी।किसान कांग्रेस के पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष जगदीश सिंह ने कहा कि मनरेगा गरीबों का संवैधानिक अधिकार है। कानून इस अधिकार को खत्म करने की साजिश है। कांग्रेस इसे किसी भी कीमत पर लागू नहीं होने देगी, मनरेगा रोजगार गारंटी का कानून है और जी.राम.जी. एक सरकारी योजना, कांग्रेस इसे कतई बर्दाश्त नही करेगी और ग्रामीण स्तर मनरेगा श्रमिकों को लेकर आंदोलन चलायेगी। मनरेगा बचाओ संग्राम के कोऑर्डिनेटर ओमप्रकाश सिंह ने कहा कि मनरेगा से करोड़ों परिवारों को रोजगार मिलता है। पंचायतों के अधिकार छीनना और मजदूरी में कटौती गरीबों पर सीधा हमला है, मनरेगा ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाया है। सरकार अगर इस योजना से छेड़छाड़ करेगी तो कांग्रेस सड़कों पर संघर्ष तेज करेगी। शहर अध्यक्ष शकील अंसारी ने कहा कि भाजपा ने एसआईआर के नाम पर यूपी में लाखों-करोड़ों वोट काटकर लोकतंत्र को कमजोर किया है।

चंदौकी ओवरब्रिज के पास अवैध तमंचा समेत युवक गिरफ्तार

सुलतानपुर। अपराध और अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत शनिवार को थाना बन्धुआकला पुलिस को बड़ी सफलता मिली। पुलिस टीम ने चंदौकी ओवरब्रिज के पास घेराबंदी कर एक युवक को अवैध देशी तमंचा और जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया।दपुलिस के मुताबिक पकड़ा गया युवक विष्णु प्रभाकर मिश्रा उर्फ अमन निवासी ग्राम चकहरदी मजरा दाउदपुर है। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 315 बोर का एक देशी तमंचा और एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया।इस मामले में थाना बन्धुआकला पर आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। थानाध्यक्ष प्रमोद कुमार ने बताया कि अभियुक्त का आपराधिक इतिहास लंबा है। उस पर हत्या के प्रयास, लूट, षड्यंत्र और आर्म्स एक्ट सहित विभिन्न धाराओं में कई मुकदमे पहले से दर्ज हैं।

चालक की हत्या कर लूटा था टेंपो, मथुरा पुलिस मुठभेड़ में दो गिरफ्तार, निर्दोष युवकों को मिली राहत

आर्यावर्त संवाददाता

मथुरा। जमुना पर थाना पुलिस ने चालक की हत्या कर टेंपो लूटने वाले दो बदमाशों को शुक्रवार रात मुठभेड़ में दबोच लिया। पैर में गोली लगने से दोनों घायल हो गए। चालक की हत्या के स्वजन ने गांव में ही दो लोगों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कराई थी, लेकिन वह जांच में निर्दोष निकले। दोनों बदमाशों पर बीस बीस हजार रुपये का इनाम था।

31 दिसंबर को हयातपुर गांव के टेंपो चालक यशपाल उर्फ राजा की हत्या कर उसका टेंपो लूट लिया गया था। शव रास्ते में फेंक दिया। इस मामले में स्वजन ने गांव हयातपुर के ही शेर मोहम्मद और उसके भाई शमशु के विरुद्ध हत्या की रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने दोनों को हिरासत में लेकर पूछताछ। जानकारी मिली कि दोनों का इस हत्याकांड से कोई लेना देना नहीं है। पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी खंगाले तो पता चला कि राजा की हत्या आगरा के अछनेरा साधनखेड़ा निवासी जयपाल और उसके साथी चौमुहां निवासी दिनेश ने की थी। पुलिस ने दोनों की तलाश की।

पूर्व में स्वजन ने गांव के दो सगे भाइयों पर दर्ज कराया था हत्या का मुकदमा

शुक्रवार रात दोनों को पानीगांव लिंक रोड के पास मुठभेड़ में दबोच लिया। दोनों पैर में गोली लगने से घायल हो गए। दोनों ने पुलिस को बताया कि छटीकरा चारधाम के पास की हत्या की गई और शव अलेपुर के जंगल में फेक दिया। उसका टेंपो और मोबाइल लूट लिया। फिर टेंपो लेकर चले गए। रास्ते में टेंपो में सीएनजी खत्म हो गई तो बदमाश उसे थाना जैंत के चौधरी ढाबे पर छोड़कर चले गए। पुलिस ने पूर्व में टेंपो बरामद कर लिया था। एसपी सिटी राजीव कुमार सिंह ने बताया कि पकड़े गए बदमाश दिनेश पर पांच और जयपाल पर विभिन्न मामलों के 13 मुकदमे दर्ज हैं।

जी राम जी योजना 185 दिनों के काम की देता है गारंटी : राजभर

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। भाजपा जिलाध्यक्ष सुशील त्रिपाठी की अध्यक्षता में प्रभारी मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने शनिवार को शहर के सिविल लाइन स्थित डाक-बंगला में विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन योजना पर प्रेस कॉन्फ्रेंस की। प्रभारी मंत्री ने कहा कि जी राम जी कानून, 2025 पारदर्शी प्रक्रिया के जरिए ग्रामीण इन्फ्रास्ट्रक्चर और अर्थव्यवस्था को मजबूत करेगा.उन्होंने इसे विकसित भारत की आधारशिला बताया और विपक्ष विशेष रूप से कांग्रेस पर पुराने भ्रष्टाचार व विफल योजनाओं का समर्थन करने का आरोप लगाया।उन्होंने जी राम जी योजना की विभिन्न खूबियां गिनाते हुए कहा यह कानून 100 दिनों से 125 दिन किया गया है।खेती आदि के कामों के लिए 60 दिन आरक्षित किए गए हैं।इस प्रकार यह योजना 185 दिनों के काम की गारंटी देता है।इस कानून से ग्रामीणों को काम करने पर भुगतान 7 दिनों में किया जाएगा।भुगतान नहीं हुआ तो ब्याज सहित भुगतान होगा। उन्होंने कहा यह योजना ग्रामीण अर्थव्यवस्था में क्रांति लाएगी। कांग्रेस बिना तथ्यों के जनता को गुमराह करने का प्रयास कर रही है। के संयोजन में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने एसआईआर पर सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर तीखी प्रक्रिया करते हुए कहा कि अखिलेश यादव पढ़े-लिखे व्यक्ति हैं।उनको पता है कि हमें अब सत्ता तो मिलनी नहीं है। चाचा और पिताजी की कमाई और मेहनत पर मुख्यमंत्री बन गए। इतना तो सब लोग जान गए हैं। उन्होंने कहा 86 लाख मतदाता पूरे प्रदेश में मृतक पाए गए हैं।उनको स्वर्ग से लाने का काम अखिलेश यादव ही कर सकते हैं।कोडीन मामले में अखिलेश यादव द्वारा धनंजय सिंह को टारगेट करने पर कैबिनेट मंत्री राजभर ने कहा वह किसी एक व्यक्ति के खिलाफ नही बल्कि एक जाति के खिलाफ आंदोलन करते हैं।कभी ब्राह्मणों के खिलाफ खड़े हो जाते हैं। कोडीन पर उन्होंने कहा कि जांच एजेंसियां काम कर रही है।जो भी दोषी पाया जाएगा उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी। पूर्व समाजवादी पार्टी की सरकार की तरह यहां छुट्टा अपराधी नहीं घुमते।जो अपराध करेगा, वह 24 में अंदर सलाखों के पीछे होगा। उन्होंने पंचायत चुनाव को लेकर दो टूक कहा कि चुनाव तय समय पर कराएं जाएंगे।

कस्बे में अतिक्रमण वाली भूमि पर गरजा बुलडोजर, 30 बिस्वा सरकारी भूमि अतिक्रमण मुक्त

सुलतानपुर। कोतवाली नगर थाना क्षेत्र के पांचोपीरन कस्बा में सरकारी भूमि पर हुए कब्जे को हटाने के लिए की गई शिकायत के बाद उप जिलाधिकारी के आदेश पर आज पुलिस की मौजूदगी में तहसील प्रशासन ने अवैध निर्माण को ढहा दिया। जानकारी के अनुसार गोमती नगर पूर्व और गोमती बिहार के प्रबुद्ध जनों के सम्मिलित प्रयास से आज पांचोपीरन मजार से सटी हुई सरकारी भूमि पर प्रदेश सरकार का बहुचर्चित बुलडोजर गरजा और लगभग 30 बिस्वा सरकारी भूमि अतिक्रमण मुक्त हुई । बता दे कि यह एक सरकारी जमीन पर हुए कब्जे को हटाने की शुरुआत है। प्रशासनिक कार्रवाई करने पहुंचे अधिकारियों ने बताया कि वह इस तरह के क्षेत्र में हुए अवैध निर्माण को अभिलंब ढहाएगा और सरकारी जमीन को मुक्त कराएगी।

जी–राम–जी से आय की गारंटी, 14 दिन में मजदूरी नहीं तो ब्याज भी मिलेगा, मंत्री चौधरी लक्ष्मी नारायण ने गिनाईं विशेषताएं

आर्यावर्त संवाददाता

अलीगढ़। ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार की गारंटी व समय पर भुगतान को लेकर सरकार ने बड़ा भरोसा दिलाया है। विकसित भारत–रोजगार व आजीविका मिशन (ग्रामीण) यानी वीबी-जी राम जी योजना के तहत अब श्रमिकों को काम के बदले भुगतान के लिए भटकना नहीं पड़ेगा। सीधे खाते में राशि पहुंचेगी। तय समय-सीमा के भीतर मजदूरी न मिलने पर ब्याज सहित भुगतान किया जाएगा।

शुक्रवार को सर्किट हाउस में आयोजित पत्रकार वार्ता में प्रभारी मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी ने इस योजना की प्रमुख विशेषताओं को विस्तार से रखा। उन्होंने बताया कि योजना के तहत ग्रामीण श्रमिकों को पहले के 100 दिन की बजाय अब 125 दिन का सुनिश्चित रोजगार मिलेगा। अगर किसी कारणवश काम उपलब्ध नहीं कराया जा सका तो बेरोजगारी भत्ता देने का भी प्रावधान किया गया है। सबसे अहम बात यह है कि मजदूरी का भुगतान 14 दिन के भीतर डीबीटी के माध्यम से सीधे बैंक खाते में किया जाएगा। अगर भुगतान 15वें दिन के बाद होता है तो श्रमिक को ब्याज सहित राशि मिलेगी। इससे मजदूरों के अधिकार सुरक्षित होंगे और व्यवस्था पर भरोसा मजबूत होगा।

योजना, आयुष्मान भारत की तर्ज पर तकनीक आधारित होगी

प्रभारी मंत्री ने कहा कि यह योजना आयुष्मान भारत की तर्ज पर तकनीक आधारित होगी। बायोमेट्रिक हाजिरी से फर्जी नाम, मस्टररोल में गड़बड़ी व धन की लीकेज पर रोक लगेगी। उन्होंने स्पष्ट कहा कि सरकार का उद्देश्य केवल रोजगार देना नहीं, बल्कि पारदर्शिता व जवाबदेही सुनिश्चित करना है। योजना के तहत गांवों में सड़क, पुल, मरम्मत कार्य, नव निर्माण व तीर्थ स्थलों के सुंदरीकरण जैसे कार्य कराए जाएंगे। इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार बढ़ेगा और पलायन पर अंकुश लगेगा। वित्तीय ढांचे की जानकारी देते हुए मंत्री ने बताया कि योजना में 60 प्रतिशत धन केंद्र और 40 प्रतिशत राज्य सरकार वहन करेगी।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर जिला पंचायत अध्यक्ष विजय सिंह, मेयर प्रशांत सिंघल, एमएलसी चौ. ऋषिपाल सिंह, डॉ. मानवेन्द्र प्रताप सिंह, शहर विधायक मुक्ता संजीव राजा, रवेन्द्रपाल सिंह, राजकुमार सहयोगी, सुरेन्द्र दिलेर, जिलाध्यक्ष कृष्णपाल सिंह, महानगर अध्यक्ष इंजी. राजीव शर्मा, जिला महामंत्री शिवनारायण शर्मा, आशीष गौड़, विक्रम जीनवाल, जिलाध्यक्ष लोकदल चौ. हम्बीर सिंह, जिलाध्यक्ष सुभासपाअमित जादौन, जिलाध्यक्ष निषाद पार्टी अशोक कुमार समेत अन्य समेत अन्य मौजूद रहे।

दो घंटे की देरी से पहुंचे मंत्री

कार्यक्रम में मंत्री निर्धारित समय 12 बजे के बजाय करीब दो घंटे की देरी से दो बजे पहुंचे। उन्होंने पत्रकारों से देरी के लिए माफी मांगी। कहा कि खराब मौसम के कारण यात्रा में विलंब हुआ। इसके बावजूद उन्होंने पूरे धैर्य के साथ योजना की बारीकियों को रखा और कहा कि जी-राम-जी योजना ग्रामीण भारत को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी।

सपा सांसद को काशी टोल पर रोके जाने से भड़के कार्यकर्ता, एक्सप्रेसवे पर अतुल प्रधान का धरना

आर्यावर्त संवाददाता

मेरठ। मेरठ से सटे सरधना थानाक्षेत्र के कपसाड़ गांव में अनुसूचित जाति की महिला सुनीता की हत्या और उसकी बेटी रूबी के अपहरण के मामले में शनिवार सुबह मेरठ आ रहे सपा सांसद रामजीलाल सुमन और सपा कार्यकर्ताओं को एसपी ट्रैफिक ने काशी टोल प्लाजा पर रोक लिया। पुलिस की इस कार्रवाई से सपा कार्यकर्ताओं में भारी नाराजगी फैल गई।

सांसद को रोके जाने से नाराज सपा कार्यकर्ताओं ने काशी टोल प्लाजा पर हंगामा शुरू कर दिया। इस दौरान पुलिस और सपा कार्यकर्ताओं के बीच जमकर नोकझोंक हुई। हालात बिगड़ते देख अतिरिक्त पुलिस बल बुलाना पड़ा।

धरने पर बैठे सांसद और विधायक

सपा सांसद को रोके जाने की सूचना मिलते ही सरधना विधायक अतुल प्रधान समर्थकों के साथ काशी टोल पहुंचे। उन्होंने पुलिस कार्रवाई का विरोध करते हुए कहा कि यह दबाव की कार्रवाई है। सपा कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए कहा-जब-जब योगी डरता है, पुलिस को आगे करता है।

काफी देर तक चली नोकझोंक और हाथापाई के बाद सांसद रामजीलाल सुमन, विधायक अतुल प्रधान, पूर्व विधायक योगेश वर्मा और सपा जिलाध्यक्ष कर्मवीर गुमी समर्थकों के साथ एक्सप्रेसवे पर धरने पर बैठ गए।

भीम आर्मी कार्यकर्ताओं ने भी किया हंगामा

इधर दिल्ली, नोएडा और गाजियाबाद से दर्जनों गाड़ियों में भीम आर्मी के कार्यकर्ता कपसाड़ जाने के लिए काशी टोल प्लाजा पहुंचे। पुलिस ने उन्हें भी रोक लिया, जिससे भीम आर्मी कार्यकर्ता भड़क उठे।

बैरिकेड हटाकर आगे निकले कार्यकर्ता

गुस्साए भीम आर्मी कार्यकर्ताओं ने बैरिकेड हटाने की कोशिश की और कुछ कार्यकर्ता जबरन टोल प्लाजा पार कर आगे निकल गए। इससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई और पुलिस को अतिरिक्त सतर्कता बरतनी पड़ी।

राजनीतिक तनाव और बढ़ा

कपसाड़ हत्याकांड को लेकर पहले से ही माहौल तनावपूर्ण बना हुआ है। लगातार नेताओं और संगठनों के पहुंचने की कोशिशों के चलते प्रशासन की चुनौती बढ़ गई है। पुलिस प्रशासन कानून-व्यवस्था बनाए रखने को लेकर अलर्ट मोड पर है।

डीआईजी ने क्षेत्र में पहुंचकर किया निरीक्षण

डीआईजी कला निधि नैथानी ने चेक प्वाइंट का निरीक्षण किया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

सोमनाथ मंदिर के 1000 वर्ष पूरे होने धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। सोमनाथ मंदिर के 1000 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में शनिवार की सुबह लगभग 10 बजे कूरेभार कस्बे में धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया गया। सदर विधायक राज प्रसाद उपाध्याय ने इन आयोजनों का नेतृत्व किया। इस अवसर पर विधायक उपाध्याय ने कूरेभार के प्रसिद्ध हनुमान मंदिर परिसर स्थित शिवालय मेंविधि-विधान से जलाभिषेक किया। इसके बाद उन्होंने कूरेभार जूनियर हाई स्कूल के समीप स्थित शिवालय में भी जलाभिषेक कर आरती उतारी और प्रसाद वितरित कराया। विधायक ने इस दौरान क्षेत्र की सुख-शांति, समृद्धि और जनकल्याण के लिए प्रार्थना की।विधायक राज प्रसाद उपाध्याय ने कहा कि सोमनाथ मंदिर भारतीय संस्कृति, आस्था और अखंडता का प्रतीक है। इसके 1000 वर्ष पूर्ण होने का यह पर्व हमें अपनी सांस्कृतिक विरासत को सहेजने और सामाजिक एकता को मजबूत करने की प्रेरणा देता है। उन्होंने आमजन से आपसी सौहार्द, सेवा और सद्भाव के मार्ग पर चलने का आह्वान किया।कार्यक्रम में कूरेभार ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि नवनीत सिंह, संतराम शुक्ला, मीरामानिकपुर प्रधान प्रतिनिधि राजेश सिंह, भाजपा मंडल अध्यक्ष राज मणि मोर्य, पूर्व मंडल अध्यक्ष संदीप पांडये, अंजनी तिवारी, रुद्र प्रताप सिंह, कूरेभार प्रधान प्रतिनिधि सुरेश कुमार, रामजी सिंह सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।जलाभिषेक और आरती के दौरान मंदिर परिसर में भक्तिमय वातावरण बना रहा। प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। उपस्थित श्रद्धालुओं ने इस आयोजन की सराहना करते हुए इसे क्षेत्र में धार्मिक चेतना और सामाजिक एकजुटता बढ़ाने वाला बताया।

शहर के सभी जोनों में जलकल विभाग का व्यापक मरम्मत अभियान

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। नगर निगम के जलकल विभाग ने शनिवार को शहरवासियों को निर्बाध और सुचारु पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सभी जोनों में व्यापक स्तर पर पाइपलाइन मरम्मत और संबंधित तकनीकी कार्य कराए। नगर आयुक्त गौरव कुमार और जीएम जलकल कुलदीप सिंह के स्पष्ट निर्देशों के क्रम में यह अभियान चलाया गया, जिसे जल आपूर्ति व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।जलकल विभाग की अलग-अलग टीमों ने शहर के विभिन्न हिस्सों में पाइपलाइन लीकेज, क्षतिग्रस्त जललाइन, चोक सीवर, ओवरफ्लो टंकियों और अन्य तकनीकी समस्याओं को चिन्हित कर मौके पर ही त्वरित समाधान किया। जोन-1 से लेकर जोन-8 तक कई प्रमुख क्षेत्रों में मरम्मत और सुधार कार्य किए गए, जिससे स्थानीय नागरिकों को लंबे समय से चली आ रही जल आपूर्ति से जुड़ी परेशानियों से राहत मिली।जोन-1 में योजना भवन के पास, कंधारी बाजार लालबाग, लापलाश कॉलोनी शिवनगर, वजीरगंज, मौलवीगंज और हरी नगर क्षेत्रों में पाइपलाइन लीकेज की मरम्मत और वाशिंग का कार्य किया गया। वहीं जोन-2 में बड़ा इमामबाड़ा क्षेत्र, राजाजीपुरम सी-ब्लॉक, गुलमोहर कॉलोनी, गढ़ी कनौरा और श्रम विहार में लीकेज सुधार के साथ-साथ करेहटा टंकी की सफाई कराई गई। इन इलाकों में लंबे समय से जलदबाव की समस्या बनी हुई थी, जिसे काफी हद तक नियंत्रित कर लिया गया है।जोन-3 में जानकीपुरम विस्तार, ट्रॉमा सेंटर क्षेत्र सेक्टर-2 और ओएचटी सेक्टर-8, मडियांव गांव में नाले के पास चार स्थानों पर पाइपलाइन मरम्मत की गई। इसके साथ ही जानकीपुरम सेक्टर-3, त्रिवेणी नगर और रहीम नगर क्षेत्रों में पाइपलाइन मरम्मत के साथ नई लाइन बिछाने और टंकी सफाई का कार्य भी किया गया। विज्ञान पुरी और हार्नर क्षेत्र में ट्यूबवेल की मरम्मत कर जल आपूर्ति व्यवस्था को दुरुस्त किया गया। जोन-4 में विराज खंड-1, विकल्प खंड-3, विनीत खंड-3 और काल्विन कॉलेज के आसपास के क्षेत्रों में लीकेज सुधार और कनेक्शन ठीक किए गए।जोन-5 और जोन-6 में भोला खंड, दुर्गापुरी, आशियाना नगर, विक्रम नगर, साजन मैरिज हॉल और साबिक निवास क्षेत्रों में पाइपलाइन मरम्मत, नई पाइपलाइन डालने और चोक लाइन खोलने जैसे कार्य पूरे किए गए। वहीं जोन-7 में सेक्टर-17, सेक्टर-9 इंदिरा नगर और विकास भवन के आसपास सीवर और जललाइन से जुड़ी समस्याओं का समाधान किया गया।

हिंदू एक नहीं हुए तो सर्वनाश निश्चित: सीएम योगी

आर्यावर्त संवाददाता

प्रयागराज। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रयागराज में जगदगुरु रामानंदाचार्य की जयंती समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि आज हिंदुओं को बांटने की कोशिश हो रही है। जाति, मत, संप्रदाय के नाम पर विभाजन उसी तरह हम लोगो के लिए सर्वनाश का कारण बन जाएगा, जैसे बांग्लादेश में हम देख रहे हैं। बांग्लादेश के अंदर जो हो रहा है, उस पर कोई बोल नहीं रहा है। सेक्यूलरिज्म के नाम पर ठेका लेकर चलने वाले लोग चुप हैं। इन लोगों ने हिंदू धर्म को तोड़ने और बांटने की पूरी ताकत लगा दी है। उन्होंने बांग्लादेश में हो हिंदुओं के खिलाफ हुई हिंसा को लेकर इशारों में विपक्षी दलों पर बड़ा हमला बोला।

सीएम योगी ने कहा कि बांग्लादेश की घटना पर विपक्ष का मुंह बंद है। ऐसा लगता है किसी ने इनके मुंह पर फेविकोल चिपका दिया है। बांग्लादेश की घटना को लेकर इनके द्वारा कोई

कैंडल मार्च नहीं निकाला जा रहा है। यह हम सब लोगों के लिए चेतावनी भी है। सीएम योगी ने कहा कि हिंदुओं को बांटने वाले और तोड़ने वाले लोगों को पनपने न दें। इन लोगों को किसी भी स्थिति में आगे नहीं बढ़ने देना है। इस संकल्प के साथ आगे बढ़ेंगे तो सनातन को कोई कमजोर नहीं कर पाएगा। जिस दिन ऐसा हो जाएगा, बांग्लादेश में कोई किसी हिंदू को काटने का दुस्साहस नहीं कर पाएगा। कहा कि हमारा संत समाज जब एक मंच पर आकर उद्घोष करता है तो परिणाम भी आता है। अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि पर राम मंदिर का निर्माण संतों की साधना और तप का ही परिणाम है।

सीएम योगी ने कहा कि मोदी जी पहले पीएम हैं जो राम मंदिर दर्शन करने के लिए गए। राम लला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में भी गए। मंदिर निर्माण पूरा होने के बाद सनातन धर्म की ध्वजा पताका को भी फहराया। जो लोग आज भी आपको बांट रहे हैं। ये आपके हितैषी नहीं हो सकते हैं। कभी नहीं होंगे।

सीएम ने माघ मेला के स्नान पर्वों की तैयारियों की किया समीक्षा

प्रयागराज। मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को प्रयागराज मेला प्राधिकरण स्थित आईसीसीसी सभागार में माघ मेला 2026 के आगामी स्नान पर्वों की तैयारियों के सम्बंध में समीक्षा बैठक की। मण्डलायुक्त सौम्या अग्रवाल ने मुख्यमंत्री को पॉवर प्रेजेंटेशन के माध्यम से माघ मेला के आयोजन के सम्बंध में की गयी तैयारियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने माघ मेला को सकुशल सम्पन्न कराने के लिए सभी अधिकारियों को पूरी तत्परता व लगन के साथ कार्य करने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि 14 से 18 जनवरी के बीच कम समय में दो महत्वपूर्ण स्नान पर्वों को सकुशल सम्पन्न कराना एक बड़ी चुनौती है, इसके लिए अभी से सभी अधिकारी पूरी जिम्मेदारी व तत्परता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए स्नानपर्वों को सकुशलढंग से सम्पन्न करायें। मुख्यमंत्री ने पौष पूर्णिमा स्नान पर्व को सकुशल संपन्न कराने के लिए माघ मेला में लगे सभी सम्बंधित अधिकारियों की प्रशंसा की। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि मेले में साफ सफाई व्यवस्था उच्च स्तर की रहनी चाहिए। कहा कि श्रद्धालुओं के स्नान करने के लिए घाटों के स्नान क्षेत्र व सर्कुलेटिंग एरिया को और बढ़ाया जाये, ताकि ज्यादा से ज्यादा श्रद्धालु एक साथ स्नान कर सके तथा उन्हें स्नान करने में कोई समस्या न हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि माघ मेला में लगे हुए स्वच्छाग्रहियों के मानदेय का भुगतान समय से किया जाए, उन्हें और उनके बच्चों को शिक्षा आदि की सभी आवश्यक सुविधाएं मुहैया कराई जाए। मुख्यमंत्री ने नगर निगम से कहा कि रोड पर अतिक्रमण न होने पाये, रोड व पाथवे को खुला रखा जाए, जिससे माघ मेला में आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की कठिनाई न हो।

राष्ट्रीय बैटल डांस स्पोर्ट्स प्रतियोगिता 2026 का भव्य शुभारंभ

» उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने युवाओं को खेल व संस्कृति से जुड़ने का दिया संदेश

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। बैटल डांस स्पोर्ट्स एसोसिएशन, उत्तर प्रदेश के तत्वावधान में आयोजित राष्ट्रीय बैटल डांस स्पोर्ट्स प्रतियोगिता 2026 का भव्य शुभारंभ आज संस्कृत पाठशाला महाविद्यालय, सदर बाजार, लखनऊ में हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि "आज का युवा केवल शिक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि खेल एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से भी देश का नाम रोशन कर रहा है। बैटल डांस स्पोर्ट्स जैसी विधाएँ अनुशासन, फिटनेस, आत्मविश्वास और रचनात्मकता का उत्कृष्ट संगम हैं। ब्रेक डांस का ओलंपिक खेल के रूप में शामिल होना इस विधा और

युवाओं की प्रतिभा के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि है। ऐसे आयोजन युवाओं को सकारात्मक दिशा, स्वस्थ जीवनशैली और राष्ट्र निर्माण की प्रेरणा देते हैं।"

उन्होंने आयोजन समिति को इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएँ भी दीं। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में जय सिंह - निदेशक, आउटरीच ब्यूरो, भारत सरकार रहे । इस अवसर पर यह भी उल्लेखनीय रहा कि डॉ. कीर्ति विक्रम सिंह,निदेशक इग्नू ने मास्टर कैटेगरी एक्रो योग में स्वर्ण पदक प्राप्त कर प्रतियोगिता की गरिमा को और बढ़ाया।

कार्यक्रम में अर्जुन अवॉर्डी सुश्री रचना गोविल की संरक्षक के रूप में गरिमामयी उपस्थिति विशेष आकर्षण का केंद्र रही। उनकी उपस्थिति से खिलाड़ियों में विशेष उत्साह देखने को मिला। इसके अतिरिक्त कार्यक्रम में संजीव कुमार सिंह - क्रीड़ा अधिकारी, अनिल श्रीवास्तव - निदेशक, जन शिक्षण संस्थान, लखनऊ, तथा अंकुर अग्रवाल, ट्रस्टी, संस्कृत पाठशाला भी उपस्थित रहे। प्रतियोगिता में देश के विभिन्न राज्यों से आए प्रतिभागियों ने क्लासिकल डांस, लोक कला, एक्रो योग, एक्रोबैटिक एवं अन्य श्रेणियों में अपनी शानदार एवं ऊर्जावान प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। यह आयोजन भारतीय सांस्कृतिक विरासत, खेल भावना और आधुनिक फिटनेस का उत्कृष्ट समन्वय प्रस्तुत कर रहा है।

पहले दिन के स्वर्ण पदक विजेता प्रतियोगिता के पहले दिन विभिन्न श्रेणियों में प्रतिभागियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक प्राप्त किए जिसमें गार्गी द्विवेदी, मोहलक्षिका सिंह,नेविका सिंह,अर्न ओम सिंह,दीपांशी, तनिष्क बंसल, शिक्षा अग्रवाल आदि मुख्य रहे। कार्यक्रम का सफल आयोजन बैटल डांस स्पोर्ट्स एसोसिएशन, उत्तर प्रदेश द्वारा किया गया। आयोजन समिति के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री के.बी. पंत ने सभी अतिथियों, खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया। प्रतियोगिता का समापन समारोह 11 जनवरी 2026 को आयोजित किया जाएगा।

हज 2026 की तैयारियों के लिए भारत सरकार का उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल सऊदी अरब रवाना

लखनऊ। हज 2026 के दौरान भारतीय हज यात्रियों को बेहतर, सुरक्षित और सुविधाजनक व्यवस्थाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से भारत सरकार के अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय द्वारा एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल का गठन किया गया है। यह प्रतिनिधिमंडल सऊदी अरब जाकर हज यात्रा से जुड़ी विभिन्न व्यवस्थाओं का स्थलीय निरीक्षण करेगा और आवश्यक निर्णय लेगा, ताकि आगामी हज यात्रा को सुचारु और सुविधाजनक बनाया जा सके।भारत सरकार द्वारा गठित इस प्रतिनिधिमंडल का चेयरपर्सन उत्तर प्रदेश सरकार में अल्पसंख्यक कल्याण, मुस्लिम वक्फ एवं हज राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दानिश आजाद अंसारी को बनाया गया है। दानिश आजाद अंसारी 10 जनवरी 2026 को नई दिल्ली स्थित इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से सऊदी अरब के लिए रवाना होंगे।

मडियांव पुलिस ने अवैध पिस्टल व कारतूस के साथ युवक को किया गिरफ्तार, आर्म्स एक्ट में मुकदमा दर्ज

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ के उत्तरी जोन अंतर्गत थाना मडियांव पुलिस टीम ने अवैध असलहा रखने के मामले में एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अभियुक्त के कब्जे से एक अवैध पिस्टल 7.65 बोर तथा चार जिंदा कारतूस बरामद किए हैं, जिनमें दो कारतूस 7.65 बोर और दो कारतूस 9 एमएम बोर के हैं। इस कार्रवाई को अपराध की रोकथाम और क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।पुलिस के अनुसार यह कार्रवाई 9 जनवरी 2026 को की गई, जब थाना मडियांव की पुलिस टीम क्षेत्र में गश्त, जुर्म जरायम की रोकथाम, वांछित और वारंटी अभियुक्तों की तलाश तथा संदिग्ध व्यक्ति और वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान चौकी क्षेत्र रामराम में मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि मडियांव पुल

के नीचे एक व्यक्ति अवैध देशी पिस्टल के साथ खड़ा है और यदि तत्काल कार्रवाई की जाए तो उसे पकड़ा जा सकता है। सूचना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीम ने तुरंत मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और मुखबिर द्वारा बताए गए व्यक्ति को पकड़ लिया।पकड़े गए व्यक्ति से पूछताछ करने पर उसने अपना नाम मो. कामरान पुत्र मो. इमरान निवासी पजाया, बिलाली मस्जिद के पास, थाना ठाकुरगंज, लखनऊ बताया। उसकी उम्र लगभग 23 वर्ष बताई गई है और वह पेशे से कार मैकेनिक है। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से एक अवैध पिस्टल 7.65 बोर, दो जिंदा कारतूस 7.65 बोर तथा दो जिंदा कारतूस 9 एमएम बोर बरामद हुए। इसके बाद अभियुक्त को उसके द्वारा किए गए अपराध से अवगत कराते हुए आर्म्स एक्ट की धारा 3/5/7/25 के तहत रात करीब 22:10 बजे हिरासत में ले लिया गया।पुलिस ने बताया कि गिरफ्तारी, निगरानी और बरामदगी की पूरी कार्रवाई के दौरान माननीय सर्वोच्च न्यायालय और मानवाधिकार आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पूर्ण रूप से पालन किया गया है। बरामदगी के आधार पर थाना मडियांव में मुकदमा संख्या 15/2026 धारा 3/5/7/25 आर्म्स एक्ट के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत किया गया है। आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी कर अभियुक्त को माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है।

स्टेट पर्यटन अवॉर्ड्स 2026 की घोषणा, ग्रामीण पर्यटन को मिलेगी नई पहचान

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। पर्यटन दिवस 25 जनवरी के अवसर पर उत्तर प्रदेश सरकार के पर्यटन विभाग ने स्टेट पर्यटन अवॉर्ड्स 2026 की घोषणा कर दी है। इन पुरस्कारों का उद्देश्य प्रदेश के उन गांवों, ग्रामीण होमस्टे और फार्म स्टे को सम्मानित करना है, जो अपनी सांस्कृतिक विरासत, सामुदायिक सहभागिता और जिम्मेदार पर्यटन के माध्यम से पर्यटन को नई मजबूती प्रदान कर रहे हैं। यह पहल पूरी तरह जन-केंद्रित दृष्टिकोण पर आधारित है, जिसके तहत गांव, किसान, परिवार और ग्रामीण मेज़बान अपने क्षेत्र की संस्कृति, शिल्प, स्थानीय खानपान, कृषि परंपराओं और प्रकृति से जुड़े प्रामाणिक पर्यटन अनुभवों को देश-दुनिया के सामने प्रस्तुत कर सकेंगे।पर्यटन विभाग द्वारा इन पुरस्कारों के लिए तीन श्रेणियों में आवेदन आमंत्रित किए गए हैं, जिनमें बेस्ट पर्यटन गांव 2026, बेस्ट होमस्टे (ग्रामीण) और बेस्ट फार्म स्टे शामिल हैं। प्रत्येक श्रेणी में गोल्ड, सिल्वर और ब्रॉन्ज पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। खास बात यह है कि इन पुरस्कारों के लिए उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग में पंजीकृत न होने वाले पात्र हितधारक भी आवेदन कर सकते हैं, जिससे अधिक से अधिक गांवों और ग्रामीण परिवारों को इस पहल से जुड़ने का अवसर मिलेगा।पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेश तेजी से एग्री-रूरल टूरिज्म मॉडल के रूप में उभर रहा है। पर्यटन विभाग के साथ अब तक 800 से अधिक ग्रामीण होमस्टे पंजीकृत हो चुके हैं और सरकार का प्रयास है कि और अधिक गांवों, परिवारों और फार्म स्टे संचालकों को इस पर्यटन इकोसिस्टम से जोड़ा जाए। उन्होंने कहा कि गोरखपुर, अवध और ब्रज जैसे क्षेत्रों में ग्रामीण पर्यटन के अनुभवों में तेज़ी से वृद्धि हो रही है, जहां देश के विभिन्न हिस्सों के साथ-साथ श्रीलंका, स्पेन और जर्मनी जैसे देशों से भी पर्यटक आ रहे हैं। इन पुरस्कारों के माध्यम से उन लोगों को पहचान दी जाएगी, जो स्थानीय संस्कृति को सहेज रहे हैं, आजीविका के नए अवसर पैदा कर रहे हैं और सार्थक व आत्मीय आतिथ्य प्रदान कर रहे हैं।मंत्री ने बताया कि बेस्ट पर्यटन गांव 2026 श्रेणी में गांवों का मूल्यांकन उनकी विरासत, प्राकृतिक सौंदर्य, संस्कृति, परंपरागत त्योहारों, विशिष्ट पर्यटन अनुभवों, सामुदायिक भागीदारी, सतत पर्यटन उपायों, पर्यटक सुविधाओं और पर्यटन के लिए समग्र तैयारियों के आधार पर किया जाएगा। वहीं बेस्ट होमस्टे (ग्रामीण) श्रेणी में प्रामाणिक ग्रामीण जीवन के अनुभव, अतिथि सुविधा, संचालन में पारदर्शिता और वास्तविक पर्यटक ठहराव को प्रमुख मानदंड बनाया गया है।

तालकटोरा क्षेत्र में ट्रेन से कटकर युवक-युवती की आत्महत्या, पुलिस जांच में जुटी

लखनऊ। थाना तालकटोरा क्षेत्र के आलमनगर स्टेशन के पास रेलवे जलालपुर फाटक (डाउन लाइन) पर आज 10 जनवरी 2026 को एक पुरुष एवं एक महिला द्वारा ट्रेन से कटकर आत्महत्या किए जाने की सूचना से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना प्राप्त होते ही थाना तालकटोरा पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और आवश्यक विधिक कार्रवाई प्रारंभ की गई। फील्ड यूनिट द्वारा घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य संकलन किया गया।मौके से प्राप्त आधार कार्ड के आधार पर प्रथमदृष्टया मृतकों की पहचान दीपाली (उम्र लगभग 25 वर्ष), निवासी अर्जुनगंज, लखनऊ तथा सूर्यकान्त (उम्र लगभग 40 वर्ष), निवासी निशातगंज, लखनऊ के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार दोनों शवों को कब्जे में लेकर पंचायतनामा की कार्रवाई की जा रही है तथा अन्य विधिक औपचारिकताएं पूर्ण की जा रही हैं।

लखनऊ पुलिस का सार्वजनिक स्थानों पर शराब सेवन और हुड़दंगई के खिलाफ सख़्त अभियान, 1171 लोगों पर कार्रवाई, 89 वाहनों का चालान

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। शहर में सार्वजनिक शांति, कानून-व्यवस्था और सामाजिक अनुशासन बनाए रखने के उद्देश्य से पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ ने सार्वजनिक स्थानों पर शराब सेवन और हुड़दंगई के खिलाफ विशेष एवं सख़्त अभियान चलाया। यह अभियान 9 जनवरी 2026 की शाम 8 बजे से रात 10 बजे तक सभी जोनों और थानों में एक साथ संचालित किया गया। अभियान के दौरान बाजारों, प्रमुख चौराहों, सार्वजनिक स्थानों, दुकानों के आसपास और सड़कों के किनारे व्यापक चेकिंग की गई।पुलिस कमिश्नरेट के निर्देश पर संयुक्त पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) के पर्यवेक्षण में सभी जोनों के पुलिस उपायुक्तों के नेतृत्व में एसीपी और थाना प्रभारियों की टीमों ने अभियान को अंजाम दिया। इस दौरान शहर के कुल 195 स्थानों पर चेकिंग की गई और 3657 व्यक्तियों की जांच

की गई। सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीते पाए जाने पर 1171 व्यक्तियों के विरुद्ध धारा 34 के अंतर्गत विधिक कार्रवाई करते हुए चालान किए गए, जबकि यातायात नियमों के उल्लंघन पर 89 वाहनों का भी चालान किया गया। इसके अतिरिक्त सार्वजनिक स्थानों पर उपद्रव और हुड़दंगई करने वाले 7 व्यक्तियों के खिलाफ बीएनएस की धारा 270 के अंतर्गत वैधानिक कार्रवाई की गई और संबंधित लोगों को भविष्य में ऐसी गतिविधियों से दूर रहने की कड़ी चेतावनी दी गई।अभियान के दौरान दुकानों के बाहर बैठकर शराब पीने, दुकानों के पास खड़े होकर खुलेआम शराब सेवन करने, पार्कों और अन्य सार्वजनिक स्थलों पर शराब पीने, निर्धारित समय के बाद खुली पाई गई दुकानों और ढाबों, तथा शराब के नशे में सड़क पर उत्पात, अभद्र व्यवहार और गाली-गलौज करने वालों के खिलाफ सख़्ती से कार्रवाई की गई। पुलिस टीमों ने सड़कों, पार्कों, बाजार क्षेत्रों, बस स्टैंड, चौराहों और अन्य भीड़-भाड़ वाले इलाकों में गहन चेकिंग कर अनुशासनहीन तत्वों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया।जोनवार कार्रवाई में उत्तरी जोन में 33 स्थानों पर चेकिंग कर 466 व्यक्तियों की जांच की गई, जिनमें 115 पर कार्रवाई हुई। दक्षिणी जोन में 52 स्थानों पर 800 व्यक्तियों की जांच में 311 पर चालान किया गया। पूर्वी जोन में 28 स्थानों पर 632 व्यक्तियों की जांच के दौरान 151 पर कार्रवाई हुई। पश्चिमी जोन में 48 स्थानों पर 1282 व्यक्तियों की जांच कर 433 पर चालान किया गया, जबकि मध्य जोन में 34 स्थानों पर 477 व्यक्तियों की जांच में 161 पर कार्रवाई की गई। कुल मिलाकर शहरभर में 195 स्थानों पर चेकिंग करते हुए 3657 व्यक्तियों की जांच की गई और 1171 के विरुद्ध विधिक कार्रवाई की गई।लखनऊ पुलिस ने आमजन से अपील की है कि सार्वजनिक स्थलों पर शराब सेवन कर सामाजिक माहौल को खराब न करें, अन्यथा सख़्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

बीबीएयू में विश्वविद्यालय दिवस के अवसर पर तीन दिवसीय समारोह का भव्य शुभारम्भ, विकसित भारत–2047 के संकल्प पर हुआ व्यापक विमर्श

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। स्थित बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में 10 जनवरी को विश्वविद्यालय दिवस के अवसर पर आयोजित तीन दिवसीय समारोह का भव्य शुभारम्भ हुआ। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के आर्थिक सलाहकार एवं चाणक्य विश्वविद्यालय, बैंगलोर के प्रो. के.वी. राजू रहे। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में बीबीएयू के पूर्व कुलपति प्रो. बी. हनुमैया तथा मुख्य वक्ता के रूप में पूर्व सलाहकार, शिक्षा, योजना आयोग, भारत सरकार, हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रथम कुलपति और राजस्थान विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो.

फुरकान कमर उपस्थित रहे। मंच पर कार्यक्रम संयोजक प्रो. राम चंद्रा एवं प्रो. कुशेंद्र मिश्रा भी मौजूद रहे। कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्वलन एवं बाबासाहेब की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करने के साथ हुआ। इसके पश्चात विश्वविद्यालय कुलगीत का गायन हुआ तथा आयोजन समिति की ओर से अतिथियों का पौधा भेंट कर स्वागत किया गया। प्रारम्भ में कार्यक्रम संयोजक प्रो. राम चंद्रा ने उपस्थित जनसमूह का स्वागत करते हुए कार्यक्रम के उद्देश्य और रूपरेखा की जानकारी दी। मंच संचालन डॉ. लता बाजपेयी सिंह द्वारा किया गया।अपने अध्यक्षीय संबोधन में कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने कहा कि बीबीएयू की विकास यात्रा शैक्षणिक, सांस्कृतिक और सामाजिक निर्माण की एक सशक्त प्रक्रिया रही है, जिसमें विचारों ने केंद्रीय भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि विचार नवाचार को जन्म देते हैं, नवाचार से उद्यम विकसित होते हैं और उद्यम से राष्ट्र निर्माण संभव होता है। विकसित भारत के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए समाज के प्रत्येक वर्ग का सशक्त होना आवश्यक है, क्योंकि देश की प्रगति केवल आर्थिक मजबूती से नहीं, बल्कि समग्र विकास और प्रत्येक नागरिक की सहभागिता से ही संभव है। उन्होंने संस्थागत विकास योजना को एक जीवंत दस्तावेज बताते हुए कहा कि यह विकसित भारत–2047 के दृष्टिकोण को प्रतिबिंबित करने वाली होनी चाहिए। साथ ही उन्होंने रोजगारपरक शिक्षा, अप्रेंटिसशिप, उद्यमिता, कौशल आधारित सूक्ष्म पाठ्यक्रमों, तकनीक के प्रभावी उपयोग और मानसिक संतुलन की आवश्यकता पर बल दिया। अंत में उन्होंने भारतीय ज्ञान परंपरा की ओर लौटने और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की भावना के अनुरूप शिक्षा को आगे बढ़ाने की आवश्यकता रेखांकित की।मुख्य अतिथि प्रो. के.वी. राजू ने विश्वविद्यालय की 30 वर्षों की विकास यात्रा को उपलब्धियों से परिपूर्ण बताते हुए कहा कि अब आने वाले 22 वर्षों के लिए विकसित भारत–2047 के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए स्पष्ट, दूरदर्शी और परिणाम आधारित लक्ष्य निर्धारित करने होंगे। उन्होंने संस्थागत विकास योजना की भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि यही योजना विश्वविद्यालय की दिशा और प्रभाव तय करती है। उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग, छात्र-केंद्रित दृष्टिकोण, कौशल आधारित उच्च गुणवत्ता वाले पाठ्यक्रमों और वैश्विक मानकों पर विश्वविद्यालय के आकलन की आवश्यकता पर जोर दिया। उनका कहना था कि बीबीएयू को राष्ट्रीय ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थियों की पहली पसंद बनाने के लिए उत्कृष्ट शैक्षणिक और तकनीकी वातावरण विकसित करना होगा। साथ ही पब्लिक–प्राइवेट पार्टनरशिप को बढ़ावा देकर संस्थागत विकास को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया जा सकता है।विशिष्ट अतिथि प्रो. बी. हनुमैया ने विश्वविद्यालय से जुड़ी अपनी स्मृतियों और अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि सीमित संसाधनों से प्रारम्भ हुआ यह संस्थान आज आधुनिक आधारभूत संरचना, विविध पाठ्यक्रमों, गुणवत्ता युक्त शोध और नवाचार के साथ निरंतर प्रगति कर रहा है। उन्होंने इस उपलब्धि का श्रेय विश्वविद्यालय परिवार के समर्पित प्रयासों को दिया।मुख्य वक्ता प्रो. फुरकान कमर ने कहा कि बीबीएयू की गुणवत्ता युक्त शिक्षा, सुदृढ़ ढांचा, उत्कृष्ट शोध और नैक ए++ सहित अन्य प्रतिष्ठित रैंकिंग्स विश्वविद्यालय की समृद्ध विकास यात्रा का प्रमाण हैं। उन्होंने उच्च शिक्षा में सकल नामांकन अनुपात बढ़ाने, समावेशी और न्यायसंगत नीतियों, शिक्षा में निवेश, 3F—फंडिंग, फैकल्टी और फ्रीडम—की आवश्यकता तथा आलोचनात्मक चिंतन आधारित ज्ञान पर विशेष बल दिया।कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय मीडिया सेंटर द्वारा तैयार की गई एक प्रभावशाली डॉक्यूमेंट्री का प्रदर्शन किया गया, जिसमें स्थापना से लेकर वर्तमान तक की विकास यात्रा को प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की विकास गाथा से संबंधित पुस्तिका और संस्थागत विकास योजना की बुकलेट का विमोचन भी किया गया। प्रो. कुशेंद्र मिश्रा द्वारा संस्थागत विकास योजना के प्रारूप की प्रस्तुति दी गई तथा आयोजन समिति की ओर से अतिथियों को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर आभार व्यक्त किया गया। अंत में प्रो. शूरा दारापुरी ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में विभिन्न संकायों के संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, अधिकारी, शोधार्थी, कर्मचारी और विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।उल्लेखनीय है कि विश्वविद्यालय द्वारा 10 से 12 जनवरी तक विश्वविद्यालय दिवस के अवसर पर तीन दिवसीय समारोह का आयोजन किया जा रहा

दिल्ली-ढाका के रिश्तों में बढ़ेगी खटास

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी की चेयरपर्सन बेगम खालिदा जिया नहीं रहीं। 30 दिसंबर को फज्र की नमाज के बाद उन्होंने ढाका के एवर केयर हास्पिटल में अंतिम सांस ली। वह 23 नवंबर से अस्पताल में भर्ती थीं और दिल, ज़गिर और गुर्दे के अनेक विकारों के अलावा मधुमेह और उच्च रक्तचाप से पीड़ति थीं। रात दो बजे के करीब अस्पताल के डॉक्टर प्रो. एजेडएम हुसैन ने पत्रकारों को यह कहकर ब्रीफ किया कि बेगम ज़यिा गंभीर संकट से गुज़र रही हैं, लेकिन करीब चार घंटों के बाद उन्होंने ऐलान किया कि 80 वर्षीया बेगम नहीं रहीं। गौरतलब है कि बेगम शेख हसीना वाजेद के भारत में शरण लेने के बाद बेगम जिया बांग्लादेश में सबसे शक्तिशाली नेता के तौर पर चिन्हित थीं और आगामी 12 फरवरी को आसन्न चुनाव में उनकी पार्टी बीएनपी की सत्ता में वापसी का कयास लगाया जा रहा था।

बेगम जिया ने जब आंखें मूंदी, तब उनका भरपुरा कुनबा वहां मौजूद था। उनके बेटे तारिक रहमान, बहू जुबैदा रहमान, बेटी ज़ैमा के अलावा दिवंगत पुत्र अराफत रहमान कोके की बेवा सैयदा शमीला रहमान और बेटियां जाहिया एवं जाफिया, छोटा भाई शमीर इस्कंदर उसकी पत्नी कनीज फातिमा, दिवंगत भाई सईद की पत्नी नसरीन और बहन सेलिना इस्लाम उनके आखिरी लम्हों में उनकी नज़रों के सामने थे। बेगम जिया का जन्म 12 फरवरी, सन 1945 को भारत में जलपाईगुड़ी में हुआ था। उनका लाड़प्यार का नाम पुतुल था। विभाजन पर उनका परिवार पूर्वी पाकिस्तान चला गया। उनकी प्रारंभिक शिक्षा दीक्षा दिनाजपुर में मिशनरी एवं गर्ल्स स्कूल में हुई। सन 1965 में कैप्टेन जिया उर रहमान से शादी के बाद वह पाकिस्तान चली गयीं। बाद में कैप्टेन जिया बांग्लादेश के राष्ट्रपति रहे और खालिदा सन 1977-81 में देश की प्रथम महिला। कैप्टेन जिया ने सन 1978 में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की स्थापना की। 30 मई, 1981 को कैप्टेन जिया की हत्या के बाद जनवरी, सन 82 में बेगम ने बीएनपी ज्वाइन की और 10 मई सन 84 को वह पार्टी की चेयरपर्सन चुनी गयीं। जीवन के आखिरी पल तक वह इस पद पर बनी रहीं। सन 1991 से 1996 और फिर सन 2001 से 2006 तक प्रधानमंत्री रहकर उन्होंने इतिहास रच दिया। सन 2008 से 2014 के दरम्यान वह शेख हसीना वाजेद के प्रधानमंत्रित्व काल में नेता प्रतिपक्ष रहीं।

दरअसल, बांग्लादेश की राजनीति में खालिदा जिया और शेख हसीना को प्रतिद्वंद्वी और विरोधी विचारधारा के प्रतिनिधि के तौर पर देखा जाता रहा है। शेख हसीना को जहां भारत के साथ अच्छे संबंधों और अल्पसंख्यकों के प्रति सदाशयता की हिमायती के तौर पर देखा जाता है, वहीं खालिदा जिया भारत-विरोधी बांग्ला राष्ट्रवाद का प्रतिनिधित्व करती रहीं। वह मजहबी ताकतों को पोसने के लिये जानी जाती हैं। तीस्ता तीरे जनमी खालिदा की चर्चा आमोखास में रही है। उन्हें कमर मुरादावादी का शेर ₹अब मैं समझा तिरे रूख्सार पे तिल का मतलब। दौलते-हुस्न पे दरबान बिठा रखा है' निहायत पसंद था। माना जा रहा था कि वह बीएनपी के पुनर्सत्तारोहण की वाहिका बनेंगी, लेकिन उनके निधन से सियासत की मुंडेर पर अटकलों का सब्जे उग आये हैं। यह सौ फीसदी तय है कि अब उनका बेटा तारिक उनका उत्तराधिकार संभालेगा और अवामी लीग पर पाबंदी के साये में चुनाव के बाद वही बतौर पीएम देश की बागडोर संभालेंगे। यूं तो बांग्लादेश की सियासत बंगबंधु मुजीबुर्रहमान की हत्या के बाद ही बेपटरी हो गयी थी, किंतु शेख हसीना के पलायन के बाद कटटरपंथी इस्लामी तत्वों की बन आई है। हिंदुओं की नृशंस हत्याएं और दमन इसका प्रमाण है। बांग्लादेश में भारत विरोधी भावना को पाकिस्तान और चीन शह दे रहे हैं और उनकी गुप्तचर एजेंसियां वहां सक्रिय हैं। ढाका-इस्लामाबाद-वीजिंग नयी धुरी के तौर पर उभर रहे हैं ओर भारतीय सीमा के मात्र 12-15 किमी दूर लालमोनिरहाट एयरबेस को फिर से शुरू करने की चीन को अनुमति मिल गई है। अचरज की बात है कि इस्रायल बांग्ला फौज को प्रशिक्षण व उपकरण दे रहा है। हालात संकेत करते हैं कि आगामी समय में दिल्ली और ढाका के रिश्तों में खटास बढ़ेगी।

सब कुछ आईने की मानिंद साफ है। कहीं कुछ भी कुहरिल या गोपन नहीं। वेनेजुएला में तीन जनवरी शनिवार की स्याह सर्द रात में जो कुछ हुआ वह अमेरिकी नव उपनिवेशवाद का ऐसा खूंखार आक्रामक चेहरा है जिस पर निर्लज्जता का लेप नजर आता है। भूमिका बरसों से बन रही थी, किंतु यह अंदेशा कतई नहीं था कि राष्ट्र?पति डोनाल्ड ट्रम्प के निर्देश पर अमेरिकी डेल्टा फोर्स काराकास में 'ऑपरेशन एब्सोल्यूट रिजॉल्व को इस तरह अंजाम देंगे। अमेरिकी सेना ने मुहिम को इस खूबी से संचालित किया कि किसी को पेशगी भनक भी न लगी। वेनेजुएला के सुरक्षा-बल कोई प्रतिरोध नहीं कर सके और राष्ट्रपति निकोलस मादुरो अप?नी पत्नी सिलिया फ्लोरेंस के साथ-डेल्टा फोर्स के हत्थे चढ़ गये। वह राजधानी काराकास में सैनिक अड्डे में पत्नी के साथ निश्चिंत सो रहे थे कि अमेरिका के फौजी जवानों ने उन्हें दबोच लिया। मादुरो ने नजदीकी इस्पाती कक्ष में भागने की कोशिश कीं, किंतु असफल रहे।

नेताओं की बदजुबानी का सभी तरफ असर

राजनीतिक दल के कार्यकर्ता अपने नेताओं को आदर्श मानकर उनका अनुसरण करते हैं। जब शीर्ष नेता असंसदीय भाषा का प्रयोग करते हैं, तो यह कार्यकर्ताओं में भी वैसी ही प्रवृत्ति को प्रोत्साहित करता है।

विनीत नारायण

लोकतंत्र में असहमति आवश्यक है, लेकिन असंसदीय भाषा उसकी आत्मा को चोट पहुंचाती है। अगर हम एक मजबूत भारत चाहते हैं, तो राजनीतिक बयानों व भाषणों को सभ्य बनाना होगा। नेता याद रखें कि वे जनता के सेवक हैं, न कि शासक। नागरिक, कार्यकर्ता और मीडिया सब मिलकर इस प्रवृत्ति को रोक सकते हैं। तभी हमारा लोकतंत्र सच्चे अर्थों में चमकेगा।

भारतीय लोकतंत्र की मजबूती उसके नेताओं की गरिमा और संवाद की गुणवत्ता पर निर्भर करती है। लेकिन हाल के वर्षों में, राजनीतिक भाषणों व बयानों में अभद्र टिप्पणियां व असंसदीय भाषा, गाली-गलौज का बढ़ता प्रयोग एक गंभीर मुद्दा बन गया है। यह न केवल संसद और विधानसभाओं तक सीमित है, बल्कि चुनावी रैलियों, मीडिया इंटरव्यू और सोशल मीडिया पर भी फैल चुका है। यह मुद्दा इतना संवेदनशील बन चुका है कि राजनीतिक दल चाहे कोई भी क्यों न हो उनके बिगड़े बोल, आम नागरिकों, पार्टी कार्यकर्ताओं और मीडिया पर एक नकारात्मक प्रभाव डालते हैं। साथ ही, महिलाओं, विपक्षी दलों और पत्रकारों के प्रति नेताओं के दुर्व्यवहार भी आजकल चर्चा में है जो कि इन अमर्यादित नेताओं के सच्चे चरित्र को सामने लाता है।

संसदीय परंपराओं में, असंसदीय भाषा वह होती है जो अपमानजनक, अभद्र या व्यक्तिगत हमला करने वाली होती है। भारतीय संसद में, स्पीकर अक्सर ऐसी भाषा को हटाने का आदेश देते हैं, लेकिन संसद के बाहर ऐसे बयानों पर किसी का कोई नियंत्रण नहीं होता। राजनीतिक नेता अक्सर विपक्षी नेताओं को 'चोर, 'गद्दार या इससे भी बदतर शब्दों से संबोधित करते हैं।

चुनावी मौसम में यह और तीव्र हो जाता है, जहां व्यक्तिगत आरोप-प्रत्यारोप की जगह ले लेते हैं। गौरतलब है कि कुछ नेताओं की यह प्रवृत्ति नई नहीं है, लेकिन सोशल मीडिया के युग में यह वायरल होकर लाखों लोगों तक पहुंच जाती है, जिससे समाज पर इसका प्रभाव कई गुना बढ़ जाता है। भारतीय वोटर या नागरिक अपनी पसंद अनुसार राजनीतिक दलों का समर्थन करते हैं और उन दलों के नेताओं को अपना आदर्श भी मानते हैं। जब नेता सार्वजनिक मंचों पर गाली-गलौज करते हैं, तो यह नागरिकों में नेतृत्व के प्रति सम्मान की भावना को कमजोर करता है। विशेषकर युवा पीढ़ी, जो सोशल मीडिया पर सक्रिय है, इससे प्रभावित होती है। वे सोचते हैं कि अगर देश के लोकप्रिय नेता खुले मंचों पर ही ऐसी भाषा का प्रयोग करते हैं, तो सामान्य जीवन में क्या करते होंगे?

इससे समाज में असहिष्णुता और हिंसा की संस्कृति पनपती है। उदाहरणस्वरूप, जब कोई नेता विपक्षी को 'कुत्ता या 'सुअर जैसे शब्दों से नवाजता है, तो यह न केवल उस व्यक्ति का अपमान है, बल्कि पूरे लोकतंत्र का मजाक उड़ाता है। नागरिकों में यह धारणा बनती है कि राजनीति एक गंदा खेल है, जहां नैतिकता की कोई जगह नहीं। परिणामस्वरूप, मतदान में उदासीनता बढ़ती है और लोग राजनीति से दूर होते जाते हैं। एक सर्वेक्षण के अनुसार, कई नागरिकों का मानना है कि ऐसी भाषा से राजनीति की विश्वसनीयता घटती है, जिससे लोकतंत्र कमजोर होता है।

राजनीतिक दल के कार्यकर्ता अपने नेताओं को आदर्श मानकर उनका अनुसरण करते हैं। जब शीर्ष नेता असंसदीय भाषा का प्रयोग करते हैं, तो यह कार्यकर्ताओं में भी वैसी ही प्रवृत्ति को प्रोत्साहित करता है। चुनावी रैलियों में कार्यकर्ता विपक्षी दलों के खिलाफ नारे लगाते समय अक्सर अभद्र भाषा का इस्तेमाल करते हैं, जो कभी-कभी हिंसक झड़पों में बदल जाता है। इससे दल के अंदर अनुशासनहीनता बढ़ती है और कार्यकर्ता व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा में उलझ जाते हैं।

इसके अलावा, जब कोई नेता अपनी ही पार्टी के सदस्यों के खिलाफ ऐसी भाषा इस्तेमाल करता है (जैसे असंतोषी सदस्यों को 'गद्दार कहना), तो यह आंतरिक कलह को जन्म देता है। पार्टी कार्यकर्ता निराश होते हैं और उनका मनोबल गिरता है। लंबे समय में, यह दलों की एकजुटता को प्रभावित करता है और राजनीतिक स्थिरता को खतरे में डालता है। कार्यकर्ता सोचते हैं कि अगर नेता ही सम्मान नहीं रखते, तो वे क्यों रखें? इससे राजनीतिक संस्कृति में गिरावट आती है।

वहीं मीडिया पर इसका प्रभाव सबसे अधिक चिंताजनक है। पत्रकारिता लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है, जो नेताओं से सवाल पूछकर जवाबदेही सुनिश्चित करती है। लेकिन जब पत्रकार तीखे सवाल पूछते हैं, तो कई नेता उन पर व्यक्तिगत हमला करते हैं या अभद्र व्यवहार करते हैं। उदाहरण के तौर पर, प्रेस कॉन्फ्रेंस में नेता पत्रकारों को 'पेड मीडिया या 'दलाल कहकर अपमानित करते हैं। कभी-कभी यह शारीरिक धमकी तक पहुंच जाता है, जैसे कैमरा छीनना या बाहर निकालना। इससे मीडिया की स्वतंत्रता पर खतरा मंडराता है। पत्रकार डर के मारे सवाल पूछने से हिचकिचाते हैं, जिससे जनता को सच्ची जानकारी नहीं मिलती। सोशल मीडिया पर नेता पत्रकारों के खिलाफ ट्रोल आर्मी को सक्रिय करते हैं, जो अभद्र टिप्पणियों से उन्हें परेशान करते हैं। यह न केवल मीडिया की ट्रीय रिपोर्ट्स में भारत में पत्रकारों पर हमलों की संख्या बढ़ने का उल्लेख है, और असंसदीय भाषा इसका एक प्रमुख कारण है।

भारतीय राजनीति में महिलाओं की भागीदारी बढ़ रही है, लेकिन उनके खिलाफ लिंगभेदी टिप्पणियां एक बड़ी समस्या हैं। नेता अक्सर महिला विपक्षी नेताओं की शारीरिक बनावट, कपड़ों या व्यक्तिगत जीवन पर अभद्र टिप्पणियां करते हैं। जैसे 'आइटम या 'डांस करने वाली जैसे शब्दों का प्रयोग। यह न केवल महिलाओं का अपमान है, बल्कि पूरे समाज में लिंग असमानता को बढ़ावा देता है। इससे महिला कार्यकर्ताओं का मनोबल गिरता है और वे राजनीति में आने से हिचकिचाती हैं।

विपक्षी दलों के प्रति भी ऐसी भाषा का प्रयोग आम है। नीतिगत मतभेदों की बजाय, नेता व्यक्तिगत हमलों में उलझ जाते हैं, जैसे परिवार को निशाना बनाना या जाति-धर्म पर टिप्पणियां। इससे राजनीतिक बहस का स्तर गिरता है और समाज में विभाजन बढ़ता है। पत्रकारों के साथ दुर्व्यवहार का जिक्र पहले हो चुका है, लेकिन महिलाओं पत्रकारों के साथ यह और गंभीर होता है, जहां लिंगभेदी टिप्पणियां जोड़ी जाती हैं।

यह सब देखकर लगता है कि भारतीय राजनीति में सभ्यता की कमी एक बड़ी चुनौती है। लेकिन इसका समाधान क्या है? सबसे पहले, नेताओं को स्वयं अपनी भाषा पर नियंत्रण रखना चाहिए। संसद और विधानसभाओं में सख्त नियम लागू करने चाहिए और बाहर के मंचों पर भी नैतिक दिशानिर्देश। मीडिया को ऐसी भाषा को बढ़ावा न देकर, जिम्मेदारी से रिपोर्टिंग करनी चाहिए। नागरिकों को भी सोशल मीडिया पर ऐसी सामग्री को शेयर न करके, विरोध जताना चाहिए। राजनीतिक दलों को अपने कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित करना चाहिए कि बहस नीतियों पर हो, न कि व्यक्तिगत हमलों पर। महिलाओं के प्रति सम्मान बढ़ाने के लिए जेंडर सेंसिटाइजेशन प्रोग्राम चलाए जा सकते हैं। पत्रकारों की सुरक्षा के लिए कानून सख्त किए जाएं।

लोकतंत्र में असहमति आवश्यक है, लेकिन असंसदीय भाषा उसकी आत्मा को चोट पहुंचाती है। अगर हम एक मजबूत भारत चाहते हैं, तो राजनीतिक बयानों व भाषणों को सभ्य बनाना होगा। नेता याद रखें कि वे जनता के सेवक हैं, न कि शासक। नागरिक, कार्यकर्ता और मीडिया सब मिलकर इस प्रवृत्ति को रोक सकते हैं। तभी हमारा लोकतंत्र सच्चे अर्थों में चमकेगा।

टिप्पणी

नया साल, पुरानी चुनौतियां

नव वर्ष में प्रवेश के अवसर पर सचमुच संकल्प लिया जाए, तो अमन-चैन का लक्ष्य असंभव नहीं है। यह तो अवश्य सुनिश्चित किया जा सकता है कि जब 2026 विदा लेगा, तब हम आज से बेहतर एवं अधिक स्थिर हाल में हों!

नव वर्ष के आरंभ पर यह कामना स्वाभाविक है कि 2026 भारत के लिए खुशहाली एवं अमन- चैन का साल हो। नव वर्ष में प्रवेश के अवसर पर इस दिशा में बढ़ने का सचमुच संकल्प लिया जाए, तो यह लक्ष्य असंभव नहीं है। कम-से-कम यह तो अवश्य सुनिश्चित किया जा सकता है कि 12 महीनों के बाद जब यह साल विदा लेगा, तब हम आज की तुलना में बेहतर एवं अधिक स्थिर स्थिति में हों! लेकिन ऐसा होने की पहली शर्त मौजूद चुनौतियों के साथ-साथ अपनी कमजोरियों को भी स्वीकार करना होगा। नए साल का आगमन उस समय हुआ है, जब आर्थिक एवं सुरक्षा संबंधी एवं भू-राजनीति से जुड़ी समस्याएं बेहद गंभीर हो गई मालूम पड़ती हैं।

गुजरा साल यह अहसास कराते हुए गया कि सीमापार प्रायोजित आतंकवाद के साथ-साथ देश के अंदर भी दहशतगर्दी की प्रवृत्तियां हमला करने की फिराक में हैं। पास-पड़ोस की हालिया घटनाओं ने इस रुझान को ताकत दी है। खासकर बांग्लादेश में जिस तरह की अस्थिरता बनी है और वहां जिस तरह के सियासी हालात हैं, उन्होंने उस सीमा पर भी सतर्कता की जरूरत बढ़ा दी है, जिसको लेकर कुछ समय पहले तक भारत आश्वस्त रहने की स्थिति में था। पाकिस्तान के साथ जुड़ी सरहद पर चुनौतियां और बढ़ी हैं। चीन के साथ संबंध भले कुछ सुधरे हों, मगर रिश्तों की जमीन भुरभुरी ही है। इन सबके ऊपर बनी वैश्विक परिस्थितियां हैं, जिनमें भारत अब संकट के मौके पर अमेरिका से मदद की उम्मीद शायद ही रख सकता है।

ऐसी परिस्थितियों में भारत के पास आंतरिक शक्ति के अलावा भरोसे का कोई और विकल्प नहीं है। दुर्भाग्यपूर्ण है कि देश में अविश्वास, सामुदायिक दुराव, क्षेत्रीय तनाव आदि के कारण साझा मकसद, संपूर्ण एकजुटता, एवं दृढ़ संकल्प को हासिल करना पहले की तुलना में अधिक कठिन हो गया नजर आता है। अतः नव वर्ष का इससे बड़ा संकल्प संभवतः और कुछ नहीं हो सकता कि इन चुनौतियों से पहले पार पाने की तरफ बढ़ा जाए। इसके लिए पहल की स्वाभाविक अपेक्षा राजनीतिक नेतृत्व से ही होगी। क्या वह इस चुनौती के अनुरूप नव वर्ष में आचरण कर पाएगा?

ब्लॉग

भारतीय खेलों का निर्णायक क्षण

राहुल बोस

2025 भारत के खेलों के लिए एक निर्णायक वर्ष साबित हुआ। यह साल सिर्फ अंतरराष्ट्रीय मेडल जीतने के लिए महत्वपूर्ण नहीं था, बल्कि इसलिए भी खास रहा क्योंकि भारत के खेल तंत्र में बड़े बदलाव शुरू हुए। सरकार और निजी क्षेत्र ने खेलों में निवेश बढ़ाया, नई नीतियां बनाई गई और खेल सुविधाओं का विस्तार किया गया। अब इन कदमों को आगे बढ़ाने की जरूरत है ताकि भारत खेलों में मज़बूत और सफल राष्ट्र बन सके।

इस साल सरकार ने नेशनल स्पोर्ट्स पॉलिसी (एनएसपी) 2025 को मंजूरी दी। यह नीति भारतीय खेलों के लिए एक लंबी अवधि की सोच और बेहतर अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शन का लक्ष्य तय करती है। भारत पहले ही 2030 के कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी कर रहा है और 2036 ओलंपिक की मेजबानी करने की इच्छा भी जताई है। इसके बाद नेशनल स्पोर्ट्स गवर्नेंस एक्ट 2025 लागू किया गया। इस कानून ने खेल प्रशासन की व्यवस्था को पूरी तरह बदल दिया है। अब फैसले मनमर्जी से नहीं, बल्कि पारदर्शी तरीके और तय नियमों के अनुसार होंगे। इस कानून में खिलाड़ियों को केंद्र में रखा गया है। चयन प्रक्रिया, फंडिंग से जुड़े फैसले और शिकायत निवारण जैसी चीजों के लिए साफ नियम, मानक और समय-सीमा तय की गई है। इससे अनियमितता कम होगी और खिलाड़ियों, खासकर छोटे शहरों और कम सुविधाओं वाले पृष्ठभूमि से आने वाले खिलाड़ियों के बीच भरोसा बढ़ेगा।

मेरे लिए सबसे खास बात यह है कि पहली बार इस कानून के तहत खेल संगठनों को अनिवार्य रूप से एक ₹सेफ स्पोर्ट्स पॉलिसी₹ अपनानी होगी, ताकि महिलाओं, नाबालिग खिलाड़ियों और कमजोर वर्ग के लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। इसके साथ ही उन्हें अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार एक आचार संहिता भी लागू करनी होगी।

एक स्वतंत्र नेशनल स्पोर्ट्स बोर्ड और विशेष स्पोर्ट्स ट्रिब्यूनल निगरानी रखेंगे, जिससे स्थिरता और निरंतरता बनी रहेगी। वहीं, खिलाड़ियों की भागीदारी और महिलाओं को निर्णय लेने वाली समितियों में शामिल करना, खेल संघों में शक्ति संतुलन को बेहतर बनाता है। इन सभी बदलावों से खेल व्यवस्था में निष्पक्षता, भरोसा और लंबी अवधि की स्थिरता आएगी, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगातार अच्छा प्रदर्शन करने के लिए जरूरी है।

प्रधानमंत्री मोदी ने भारतीय खिलाड़ियों में व्यक्तिगत रुचि दिखाई है। वे खिलाड़ियों और टीमों को अपने घर बुलाकर सिर्फ सम्मान ही नहीं देते, बल्कि उनसे खुलकर बातचीत भी करते हैं। इन मुलाकातों में खिलाड़ियों की जीवन यात्रा, उनकी चुनौतियाँ, त्याग और सफलताओं पर बात होती है।

मैं भी अलग-अलग खेलों में भारत की प्रगति को बड़ी दिलचस्पी से देख रहा हूँ। इसी महीने

जोशना चिनप्पा, अभय सिंह और अनाहत सिंह ने इतिहास रचा, जब भारत ने हांगकांग को 3-0 से हराकर पहली बार स्क्वैश वर्ल्ड कप का खिताब जीता।

भारतीय महिलाओं ने 2025 में दुनिया के खेल मंच पर शानदार प्रदर्शन किया। नवंबर 2025 में भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने आईसीसी महिला वर्ल्ड कप जीता। इसी तरह, भारतीय महिला ब्लाइंड क्रिकेट टीम ने भी अपनी पहली टी20 वर्ल्ड कप जीतकर इतिहास रचा।

मुक्केबाज़ी में भी भारत ने शानदार शुरुआत की और वर्ल्ड बॉक्सिंग कप फाइनल 2025 में नौ स्वर्ण पदक जीते। एशियन यूथ गेम्स 2025 में भी भारत ने अब तक का अपना सबसे अच्छा प्रदर्शन किया। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने बिहार के राजगीर में हुए एशिया कप 2025 में दक्षिण कोरिया को 4-1 से हराकर खिताब जीता और आठ साल बाद फिर से एशियाई चैम्पियन बनी।

18 साल की शीतल देवी पैराआर्चरी में विश्व चैंपियन बनीं, और दिव्या देशमुख पहली भारतीय महिला बनीं जिन्होंने फाइड (स्नढ्ढष्ठश्व) महिला वर्ल्ड कप का खिताब जीता।2025 में भारत की खेल सफलताएँ सिर्फ कुछ बड़े शहरों तक सीमित नहीं रहीं, बल्कि देश के अलग-अलग हिस्सों तक फैलीं। हाल ही में एफआईएच पुरुष जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप तमिलनाडु में हुआ, और वर्ल्ड बॉक्सिंग कप फाइनल ग्रेटर नोएडा में आयोजित किए गए। अहमदाबाद में बने नए और विश्वस्तरीय वीर सावरकर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में 11वीं एशियन एक्वेटिक्स चैम्पियनशिप आयोजित हुई।

रग्बी में भी बड़ी उपलब्धि देखी गई। बिहार के राजगीर में एशिया रग्बी एमिरेट्स अंडर-20 सेवन टूर्नामेंट हुआ, जिसमें भारतीय महिला टीम ने कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच ब्रॉन्ज मेडल जीता। एशिया रग्बी के अध्यक्ष क़ैस अल धलाई ने कहा कि बिहार में इस तरह का बड़ा युवा रग्बी टूर्नामेंट होना न सिर्फ खेल का जश्न है, बल्कि पूरे एशिया में खेल के फैलते विकास का मजबूत प्रमाण भी है।

कई मायनों में रग्बी की प्रगति भी भारत के बड़े खेल बदलाव का ही हिस्सा है। जून 2025 में मुंबई में पहली बार रग्बी प्रीमियर लीग (क्रक्करु) का आयोजन हुआ। यह दुनिया की शुरुआती फ्रेंचाइज़ी आधारित रग्बी सेवन्स लीगों में से एक है। इसमें छह शहरों की टीमें (जैसे चेन्नई बुल्स, हैदराबाद हीरोज़, मुंबई ड्रीम?र्स आदि) शामिल थीं, जिनमें भारतीय खिलाड़ियों के साथ न्यूज़ीलैंड, साउथ अफ्रीका, फिजी और ऑस्ट्रेलिया जैसे बड़े रग्बी देशों के 30 से ज्यादा विदेशी खिलाड़ी भी खेले।

15 जून को मुंबई के अंधेरी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में खेले गए पहले मैच में बड़ी संख्या में लोग उत्साह के साथ देखने आए। मैच टीवी और ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी लाइव दिखाए गए। चार-चौथाई वाले रोमांचक मैच फॉर्मेट ने नई पीढ़ी के दर्शकों को आकर्षित किया और यह भरोसा दिलाया कि रग्बी भी भारत के व्यावसायिक खेलों का हिस्सा बन सकता है।

इससे यह साफ दिखता है कि रग्बी कितनी आगे बढ़ चुकी है, क्योंकि सिर्फ एक महीने बाद भारत ने बिहार के राजगीर जैसे शहर में एशियाई स्तर की रग्बी चैंपियनशिप की मेजबानी भी की।

केंद्र सरकार के खेल मंत्रालय ने खेलो इंडिया के तहत कई शहरों में अलग-अलग खेलों के लिए फ्रेंचाइज़ी आधारित लीग शुरू करने की बड़ी योजना बनाई है। मैं अपने अनुभव से कह सकता हूँ कि अस्मिता (रसूढ्ढञ्ज्र) महिला रग्बी लीग ने देश के कई शहरों में युवा लड़कियों के बीच रग्बी को काफी बढ़ावा दिया है। साथ ही, निजी क्षेत्र की भागीदारी भी लगातार बढ़ रही है। टीवी चैनल और ओटीटी प्लेटफॉर्म खेलों के प्रसारण अधिकार ले रहे हैं और स्पॉन्सर भी अब भारतीय खेलों को एक मजबूत और फायदेमंद अवसर के रूप में देखने लगे हैं।

इस साल युवा मामले और खेल मंत्रालय ने नेशनल स्पोर्ट्स फेडरेशंस को मिलने वाली मदद की योजना में बड़े बदलाव किए। अब फेडरेशंस के लिए फंड पाने के लिए साफ नियम तय किए गए हैं। उदाहरण के तौर पर, जिन फेडरेशंस का वार्षिक बजट 10 करोड़ रुपये से ज्यादा है, उन्हें अब एक फुल-टाइम हाई परफॉर्मेंस डायरेक्टर रखना ज़रूरी है, जो खेल की तकनीकी और प्रदर्शन से जुड़ी योजनाओं को संभाले।

हर खेल संगठन को अपने बजट का कम से कम 20त्न हिस्सा जमीनी स्तर के विकास, यानी जूनियर और युवा खिलाड़ियों की ट्रेनिंग पर खर्च करना होगा, और कम से कम 10त्न हिस्सा कोच और सपोर्ट स्टाफ की ट्रेनिंग पर लगाना होगा।

अंतरराष्ट्रीय स्तर के संभावित खिलाड़ियों को अब नॉन-कैम्प दिनों में भी 10,000 रुपये मासिक डाइट भत्ता दिया जाएगा, ताकि कोई खिलाड़ी आर्थिक कमी की वजह से खाना छोड़कर अपने सपने पूरे करने से पीछे न रह जाए।

इसी बीच फिट इंडिया आंदोलन, खासकर सन्डेज ऑन साइकिल पहल (दो बार मैं खुद हिस्सा रहा हूँ), पूरे देश में लोगों को हर हफ्ते साइकिल चलाने और फिट रहने के लिए प्रेरित कर रहा है। यह पहल केंद्रीय खेल मंत्री ने शुरू की है और भारतीयों में शारीरिक फिटनेस बढ़ाने की दिशा में एक अच्छा कदम है।

मैं पहले भी कह चुका हूँ और फिर कहूँगा- खेल और फिटनेस समाज की जीवनशैली का हिस्सा बनने चाहिए। तभी असली और टिकाऊ बदलाव आएगा। हमें खेल से जुड़ा एक मानवीय और मजबूत सिस्टम बनाना होगा। सोने के मेडल किसी देश के लिए गर्व का बड़ा कारण होते हैं, लेकिन असली पहचान तब बनती है जब देश में हर किसी के लिए खेल सुलभ हों और खेल संस्कृति आम लोगों की जिंदगी का हिस्सा बन जाए। नेशनल स्पोर्ट्स पॉलिसी के पाँच स्तंभ हर खेल को देश निर्माण में योगदान देने का मौका देते हैं – सिर्फ प्रदर्शन के जरिए नहीं, बल्कि बड़े पैमाने पर लोगों की भागीदारी, सामाजिक और आर्थिक प्रभाव और शिक्षा से जुड़ाव के माध्यम से भी।

नेशनल स्पोर्ट्स गवर्नेंस एक्ट खेल व्यवस्था में पहले से कहीं ज्यादा मजबूत नियम और व्यवस्था लाता है और फेडरेशंस को हर स्तर पर बेहतर प्रशासन और पारदर्शिता अपनाने के लिए प्रोत्साहित करता है।

यह नीति ऐसे नेताओं के लिए बड़ा अवसर देती है जो ईमानदारी से खेल क्षेत्र में योगदान देना चाहते हैं।

खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन और केंद्र व राज्य सरकारों की सक्रिय भूमिका सभी हितधारकों- फेडरेशन से लेकर स्पॉन्सर तक को अपनी सोच और लक्ष्यों को और बड़ा करने के लिए प्रेरित करती है।

खेलों के विकास के लिए सुरक्षित खेल माहौल बनाना और उम्र की गलत जानकारी (एज फ्रॉड) जैसी समस्याओं को रोकना बहुत ज़रूरी है, खासकर रग्बी जैसे खेलों के लिए।

2030 कॉमनवेल्थ गेम्स और अन्य बड़े अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों की मेजबानी का अधिकार हासिल करना खिलाड़ियों और दर्शकों दोनों के लिए फायदेमंद है। इससे उन्हें विश्व स्तर के खेल देखने और खेलने का मौका मिलता है।

सरकार ने लक्ष्य रखा है कि अगले दस वर्षों में भारत दुनिया के टॉप 10 खेल राष्ट्रों में शामिल हो। इसके लिए मज़बूत नींव तैयार हो चुकी है। अब ज़रूरत है कि हम दिशा बदलने के बजाय लगातार मेहनत, अनुशासन और रफ्तार बनाए रखें। यह भारत, भारतीय खेलों और पूरे समाज के लिए बेहद उत्साहजनक समय है। आगे बढ़ते रहें, नई ऊँचाइयों की ओर!

(लेखक रग्बी इंडिया के अध्यक्ष हैं और पूर्व अंतरराष्ट्रीय रग्बी खिलाड़ी हैं)

कानपुर: कहां है गैंगरेप का आरोपी दारोगा? चप्पे-चप्पे पर तलाश, इंस्पेक्टर सस्पेंड... एसीपी पर भी गिरी गाज

आर्यावर्त संवाददाता

कानपुर। कानपुर के सचेंडी थाना क्षेत्र में एक लड़की के साथ हुए सामूहिक दुष्कर्म की घटना ने पुलिस महकमे की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस आयुक्त रघुबीर लाल ने शुक्रवार को इस मामले में कड़ी कार्रवाई करते हुए एसीपी पनकी शिखर को लाइन हाजिर कर दिया, जबकि भीमसेन चौकी प्रभारी दिनेश कुमार को निलंबित कर दिया। इससे पहले मामले में सचेंडी थाना प्रभारी विक्रम सिंह और आरोपित दरोगा अमित मौर्या को भी निलंबित किया जा चुका है। वहीं डीसीपी पश्चिम दिनेश त्रिपाठी लाइन हाजिर कर दिया गया है। पुलिस आयुक्त और संयुक्त पुलिस आयुक्त अपराध एवं मुख्यालय विनोद कुमार सिंह ने घटनास्थल, सचेंडी थाने और भीमसेन चौकी का निरीक्षण किया,

जहां अधिकारियों की लापरवाही उजागर हुई। इसके बाद पुलिस अधिकारियों पर कार्रवाई की गई। घटना सोमवार देर शाम की है, जब सचेंडी थाना क्षेत्र के एक गांव की लड़की लापता हो गई। देर रात घर लौटने पर उसने बताया कि दो व्यक्तियों ने काले रंग की स्कार्पियो कार में जबरन बैठाकर झांसी रेलवे लाइन के पास ले जाकर सामूहिक दुष्कर्म किया।

पुलिस ने चौकी से भगा दिया था पीड़िता के भाई को

पीड़िता का भाई मामले की शिकायत करने जब भीमसेन चौकी पहुंचा, तो पुलिसकर्मियों ने उसे भगा दिया। मंगलवार को पुलिस अधिकारियों के पास शिकायत पहुंचने पर मुकदमा दर्ज हुआ, लेकिन सामूहिक दुष्कर्म और पाक्सो एक्ट की धाराएं नहीं जोड़ी गईं। मामले ने तूल पकड़ा तो एडीसीपी पश्चिम कपिलदेव की जांच में यूट्यूबर चंद्रहंसपुर निवासी शिवबरन यादव और गोरखपुर निवासी दरोगा अमित मौर्या मुख्य आरोपित निकले। जिसके बाद आरोपी दरोगा तो तुरंत निलंबित कर दिया गया।

पीड़िता की सुरक्षा में तैनात किए गए हैं पुलिसकर्मी

मुकदमा दर्ज होने के तीन दिन बाद शुक्रवार को पीड़िता का मजिस्ट्रेट के सामने बयान कराया गया। मजिस्ट्रेट के सामने आधे घंटे तक पीड़िता ने शिवबरन और अमित मौर्या की हैवानियत बताई। बयान के बाद उसे बाल कल्याण समिति के समक्ष पेश किया गया और पुलिस सुरक्षा में घर छोड़ा गया। पीड़िता की सुरक्षा के लिए उसके घर के बाहर 24 घंटे दो पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। घटना के बाद से फरार अमित मौर्या का पुलिस अब तक पता नहीं लगा सकी है। पुलिस टीमें उसकी तलाश में जुटी हैं, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला।

लापरवाही में नए गए एसीपी

एसीपी शिखर की इंटरनेट मीडिया पर सक्रियता भी जांच के दायरे में आई। पुलिस आयुक्त रघुबीर लाल ने कहा कि घटना को गंभीरता से न लेने और लापरवाही बरतने पर एसीपी पनकी को लाइन हाजिर और भीमसेन चौकी प्रभारी को निलंबित किया गया है। वहीं गिरफ्तारी के दौरान शिवबरन ने पुलिस को बताया कि घटना वाली रात अमित मौर्या ने चोरी के मामले में उसे बुलाया था। इस दौरान एक आरपीएफ इंस्पेक्टर से भी बात कराई गई। वह बाइक से रेलवे लाइन के पास पहुंचा और अमित की कार में बैठा। आधा घंटा बाद लौटा, लेकिन रास्ते में दो युवकों ने बहन के लापता होने की जानकारी दी। बाद में मुकदमा दर्ज होने का पता चला। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि सचेंडी क्षेत्र में कुछ लोग तेल चोरी और जुआ की फड़ सजवाते हैं, जिसमें पुलिसकर्मियों की मिलीभगत संभव है। पुलिस इस एंगल से भी जांच कर रही है। शिवबरन की मां का एक वीडियो शुक्रवार को वायरल हुआ, जिसमें वह रोते हुए कह रही हैं कि हमारा बच्चा निर्दोष है। अगर दोषी हो तो उसे फांसी दे दी जाए या गोली मार दी जाए, लेकिन निर्दोष को छोड़ा जाए। फिलहाल पुलिस इस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है।

क्या था पूरा मामला?

7 जनवरी को सचेड़ी थाना क्षेत्र में 14 वर्षीय नाबालिग लड़की का अपहरण कर गैंगरेप करने का मामला सामने आया था। पीड़ित के भाई के अनुसार वह सोमवार रात करीब 10 बजे घर से निकली थी। तभी स्कॉर्पियो और एक बाइक से दो युवकों ने उसे जबरन गाड़ी में खींच लिया और सामूहिक दुष्कर्म। जब लड़की घर पहुंची तो उसने पूरी घटना परिजनों के बताई। पीड़िता ने अपने भाई को बताया था कि आरोपियों में एक पुलिसकर्मी भी शामिल था।

पीड़िता के भाई ने देर रात डायल-112 पर घटना की जानकारी दी थी। इसके बाद भी पुलिस ने मामले में कोई कार्रवाई नहीं की। आरोप है कि पुलिस के शामिल होने की वजह से पुलिस मामले को टालती रही। मंगलवार को पीड़ित परिवार अधिकारियों के पास पहुंचा, जब जाकर मामला दर्ज किया गया था।

वैश्विक स्तर पर फहर रही हिन्दी की पताका

जौनपुर। भारत की संस्कृति, सभ्यता और पहचान में अहम योगदान निभाने वाली हिन्दी सिर्फ भाषा नहीं, बल्कि हमें अपनी भाषा की जडों से जोडने और इसके गौरव को संजोने का अवसर भी देती है। 10 जनवरी महज एक तारीख नहीं, बल्कि वह ऐतिहासिक दिन है जब हिंदी ने भारत की सीमाओं को लांघकर पूरी दुनिया में अलग पहचान बनाई थी। उक्त विचार नागरी लिपि परिषद वीर बहादुर सिंह पूर्वांञ्चल विश्वविद्यालय जौनपुर इकाई के अध्यक्ष डॉ ब्रजेश कुमार यदुवंशी ने सिविल लाइंस स्थित एक होटल पवन प्लाजा में आयोजित विश्व हिंदी दिवस पर व्यक्त किया। इस दौरान प्रख्यात साहित्यकार सभाजीत द्विवेदी प्रखर को नागरी सम्मान से सम्मानित किया गया। श्री प्रखर ने कहा कि 10 जनवरी 1975 के दिन भारत के नागपुर शहर में 'प्रथम विश्व हिंदी सम्मेलन' का आयोजन किया गया था। इस सम्मेलन का मकसद हिन्दी को दुनिया भर में पहचान दिलाना था, इसलिये हर साल 10 जनवरी को 'विश्व हिंदी दिवस' मनाया जाता है।

गांवों का होगा संतुलित विकास' : प्रभारी मंत्री

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। मंत्री नगर विकास, शहरी समग्र विकास, नगरीय रोजगार एवं गरीबी उन्मूलन, ऊर्जा एवं अतिरिक्त ऊर्जा स्रोत विभाग, उत्तर प्रदेश एवं जनपद के प्रभारी मंत्री एके शर्मा द्वारा कलेक्ट्रेट सभागार में विकसित भारत रोजगार एवं आजीविका मिशन अधिनियम के संबंध में कहा कि इससे ग्रामीण श्रमिकों, किसानों एवं मेहनतकश वर्ग के जीवन में व्यापक और सकारात्मक परिवर्तन आएगा। यह अधिनियम ग्रामीण समाज को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में मील का पत्थर सिद्ध होगा। बताया कि अधिनियम के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार की गारंटी को 100 दिनों से बढ़ाकर 125 दिन कर दिया गया है। यह निर्णय ग्रामीण परिवारों की आय में वृद्धि करने, ग्रामीण क्षेत्रों से हो रहे पलायन को रोकने तथा स्थायी आजीविका के अवसर सृजित करने में अत्यंत सहायक होगा। उन्होंने कहा

कि यह निर्णय सरकार की ग्रामीण समाज के प्रति संवेदनशीलता और मजबूत प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत जी-राम-जी अधिनियम की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता बेरोजगारी भत्ता को एक वास्तविक और प्रभावी कानूनी अधिकार बनाना है। पूर्ववर्ती मनरेगा अधिनियम में अनेक शर्तों के कारण बेरोजगारी भत्ता मिल पाना कठिन था, जबकि नए अधिनियम में अनावश्यक प्रतिबंधों को समाप्त कर दिया गया है। अब यदि श्रमिक द्वारा कार्य की मांग के बावजूद समय से रोजगार उपलब्ध नहीं कराया जाता है, तो बेरोजगारी भत्ता स्वतः देय होगा। राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार खेल एवं युवा कल्याण गिरीश चन्द्र यादव, सांसद राज्यसभा श्रीमती सीमा द्विवेदी, विधायक शाहगंज रमेश सिंह, एमएलसी बृजेश सिंह ,'', विधायक मड़ियाहूँ डा0 आरके पटेल जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र, आदि अधिकारी उपस्थित रहे।

विकास योजनाओं में लापरवाही बर्दाश्त नहीं : एके शर्मा

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। मंत्री नगर विकास, शहरी समग्र विकास, नगरीय रोजगार एवं गरीबी उन्मूलन, ऊर्जा स्रोत विभाग, उत्तर प्रदेश एवं जनपद के प्रभारी मंत्री एके शर्मा द्वारा कलेक्ट्रेट परिसर में राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार खेल एवं युवा कल्याण गिरीश चन्द्र यादव, सांसद राज्यसभा श्रीमती सीमा द्विवेदी, विधाय की उपस्थिति में शीतलहर, ठण्ड, पाला के दृष्टिगत निराश्रित, असहाय, कमजोर गरीब व्यक्तियोंध्परिवारों को राहत पहुचाने हेतु कंबल वितरित किया गया। उन्होंने कहा कि असहाय परिवारों को कम्बल वितरित किया जा रहा है। इसके साथ ही जनपद में विभिन्न स्थानों पर रैन बसेरा अलाव की व्यवस्था भी की गयी है। प्रभारी मंत्र की अध्यक्षता में जिला समन्वय समिति की बैठक हुई। जिला समन्वय समिति की बैठक में शासन स्तर से संचालित समस्त योजनाओं की समीक्षा की गई। माननीय प्रभारी मंत्री जी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी पात्र लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ शत-प्रतिशत सुनिश्चित कराया जाए। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि विकास योजनाओं की प्रगति अथवा क्रियान्वयन में किसी भी स्तर पर लापरवाही की शिकायत प्राप्त होती है, तो उसकी जांच कर सख्त कार्रवाई की जाएगी। कहा कि केंद्र एवं प्रदेश सरकार की समस्त विकास योजनाएं आम जनता के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के उद्देश्य से संचालित की जा रही हैं, अतः इनके क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने समस्त विभागीय अधिकारियों को योजनाओं की नियमित समीक्षा करते हुए समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिए। शीतलहर के दृष्टिगत निर्देशित किया कि जनपद के समस्त रैन बसेरों में साफ-सफाई, पर्याप्त कंबल, प्रकाश व्यवस्था, पेयजल, शौचालय सहित अन्य आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं।

कहीं मर्डर न हो जाए! डर से पति ने पत्नी की उसके प्रेमी से करा दी शादी, 2 साल के बेटे को खुद रखा

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर में एक युवक ने अपनी पत्नी की शादी उसके प्रेमी से करा दी। दरअसल, युवक को आशंका थी कि यदि वह पत्नी और उसके प्रेमी के रिश्ते को स्वीकार नहीं करता तो उसकी जान को खतरा हो सकता है। उसकी हत्या भी हो सकती है। इसी डर के चलते उसने खुद आगे बढ़कर पत्नी की उसके प्रेमी से शादी कराई और विवाह के बाद दोनों को आशीर्वाद देकर विदा कर दिया।

यह पूरा मामला जौनपुर का है। जलालपुर थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी पम्मी प्रजापति की शादी चार वर्ष पूर्व मिर्जापुर के रहने वाले तंजय के साथ हुई थी। शादी के एक साल बाद दोनों से एक बेटा भी हुआ। तंजय पत्नी और बच्चे को लेकर मुंबई रहता था और वहीं एक निजी कंपनी में नौकरी करता है।

प्रेमी के साथ मुंबई से भागी पत्नी

आरोप है कि तंजय की पत्नी पम्मी बिना बताए 2 जनवरी को अपने प्रेमी राजू बैरागी के साथ मुंबई से भागकर जौनपुर चली गई। काफी ढूंढने के बाद भी जब पत्नी के बारे में कोई जानकारी नहीं मिली तो उसने महाराष्ट्र पुलिस में इसकी शिकायत की थी। हालांकि, प्रेमी के साथ जौनपुर पहुंचने के बाद पत्नी ने फोन करके जो बताया, उसे सुनकर पति के पैरों तले जमीन खिसक गई।

प्रेमी के साथ ही रहूंगी

तंजय ने बताया कि उसकी पत्नी खुद फोन करके बोली कि वह अपने प्रेमी के साथ घर यानी जौनपुर जा रही है और अब वह उसी के साथ ही रहेगी। काफी समझाने के बाद भी जब पत्नी अपनी इस जिद पर अड़ी रही। पति ने परिवार वालों को सारी बात बताते हुए पम्मी को छोड़ने का फैसला कर लिया। प्रेमी राजू बैरागी पम्मी के पड़ोसी गांव का ही रहने वाला है। दोनों साथ में ही पढ़ते थे।

मंदिर में पत्नी की कराई शादी, दिया आशीर्वाद

तंजय ने पम्मी और उसके प्रेमी राजू बैरागी के परिजनों और अधिवक्ताओं की मौजूदगी में शुक्रवार को बड़ा फैसला ले लिया। कचहरी पहुंचकर अधिवक्ताओं से कानूनी सलाह लेते हुए मंदिर में तंजय ने पत्नी की उसके प्रेमी से शादी कराकर उसे आशीर्वाद देते हुए विदा कर दिया। लिखा-पढ़ी वाले समझौते के अनुसार तंजय अपने दो वर्षीय बेटे को अपने साथ रखते हुए पत्नी को जाने दिया।

तंजय ने बताया कि उसकी पत्नी अपने कॉलेज के प्रेमी के साथ बात करती थी और उसके संपर्क में थी। वह उसके साथ मुंबई से भागकर जौनपुर चली गई। जब वह प्रेमी के साथ खुश है तो उसे अपने साथ जबरदस्ती रखना सही नहीं होगा। तंजय ने बताया कि उसने ऐसा कदम इसलिए भी उठाया कि कहीं प्रेम में बाधा बनने पर उसके साथ भी कोई अनहोनी न हो जाए। उसकी हत्या भी हो सकती थी।

पत्नी का आरोप- शादी मर्जी के बिना झूठ बोलकर कराई गई थी

हालांकि, पत्नी का आरोप है कि उसकी शादी उसकी मर्जी के बिना झूठ बोलकर कराई गई थी। पम्मी ने बताया कि शादी से पहले बताया गया था कि इनके पास मुंबई में फ्लैट और काफी प्रॉपर्टी है और ये नौकरी करते हैं, लेकिन शादी के बाद पता चला कि केवल नौकरी ही है। वह अपने साथ कॉलेज में पढ़ने वाले राजू बैरागी के साथ खुश है और अब उसी के साथ रहेगी।

प्रेमी राजू बैरागी की भी शादी हो चुकी थी, लेकिन उसकी पत्नी का निधन हो गया था, जिससे वह अकेला था। इस दौरान पम्मी से बातचीत करते-करते दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ गईं और दोनों ने एक साथ रहने का फैसला ले लिया।

इंदौर जैसा कहर ग्रेटर नोएडा में न हो! दूषित पानी से 65 बीमार, एक्शन में अथॉरिटी, अफसरों पर गिरी गाज

लापरवाही नहीं चलेगी, दोषी बख्शे नहीं जाएंगे

नोएडा प्राधिकरण की यह सख्ती इस बात का संकेत है कि अब पानी सफाई और बुनियादी सुविधाओं को लेकर कोई समझौता नहीं किया जाएगा। प्राधिकरण ने साफ कर दिया है कि यदि समिति की रिपोर्ट में किसी भी स्तर पर लापरवाही सामने आती है तो आगे और भी कड़ी प्रशासनिक कार्रवाई की जाएगी।शहरवासियों को भरोसा दिलाया गया है कि उनकी सेहत से कोई खिलवाड़ नहीं होने दिया जाएगा और जलापूर्ति व्यवस्था को पूरी तरह सुरक्षित व पारदर्शी बनाया जाएगा।

आर्यावर्त संवाददाता

नोएडा। इंदौर में दूषित पानी से लोगों की मौत और बीमार होने की घटनाओं के बाद अब नोएडा प्राधिकरण भी पूरी तरह सतर्क हो गया है। ग्रेटर नोएडा के सेक्टर डेल्टा वन और अल्फा 2 सेक्टर में भी दूषित पानी पीने से 65 लोग बीमार हो गए। अब इस मामले को गंभीरता से लेते हुए नोएडा प्राधिकरण के सीईओ ने जल आपूर्ति व्यवस्था की व्यापक समीक्षा के आदेश दिए हैं। इसके तहत पाइपलाइनों में रिसाव, जंग, सीवर मिक्सिंग और जलाशयों की गुणवत्ता की जांच के लिए एक हाईपावर तकनीकी समिति गठित की गई है। यह समिति न सिर्फ कागजी जांच करेगी बल्कि मौके पर जाकर सैंपल लेकर विस्तृत रिपोर्ट सौंपेगी।

हाईपावर तकनीकी समिति का मुख्य काम शहर की पानी की सप्लाई से जुड़ी पूरी चेन की जांच करना है। इसमें यह देखा जाएगा कि कहीं पाइपलाइनों में जंग या लीकेज के कारण सीवर का पानी तो नहीं मिल रहा कहीं ड्रेनेज और जलापूर्ति लाइनें आपस में जुड़ तो नहीं गईं और वॉटर एटीएम व जलाशयों में सप्लाई किया जा रहा पानी मानकों पर खरा उतरता है या नहीं। अधिकारियों के अनुसार, समिति शहर के अलग-अलग सेक्टरों से सैंपल लेकर जल्द से जल्द अपनी रिपोर्ट सौंपेगी ताकि भविष्य में इंदौर जैसी कोई घटना नोएडा में न हो।

इसी समीक्षा बैठक में सड़कों और बुनियादी ढांचे की स्थिति पर भी नाराजगी जताई गई। सीईओ ने सड़क संख्या-3 सहित कई प्रमुख मार्गों का अचानक निरीक्षण कराया और साफ निर्देश दिए कि 15 दिन के भीतर सुधार की विस्तृत कार्ययोजना तैयार की जाए।

जन स्वास्थ्य विभाग के अफसरों पर कार्रवाई

शहर में बढ़ती गंदगी और साफ-सफाई की खराब स्थिति को देखते हुए जन स्वास्थ्य विभाग पर भी सख्त रुख अपनाया गया है। समीक्षा के दौरान सामने आया कि कई इलाकों में नालों की सफाई ठीक से नहीं हो रही, जिससे गंदगी और संक्रमण का खतरा बढ़ रहा है। इसी लापरवाही को आधार बनाकर जन स्वास्थ्य विभाग के चार में से तीन सहायक परियोजना अभियंताओं उमेश चंद,राहुल गुप्ता और सुशील कुमार को कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए वेतन रोकने की कार्रवाई की गई है। इसके साथ ही स्वास्थ्य सेवाओं को आधुनिक बनाने के लिए मॉर्डन मशीनों और नालों की सफाई के लिए मीडियम साइज उपकरणों की खरीद के निर्देश भी जारी किए गए हैं।अधिकारियों का कहना है कि इन मशीनों के आने से सफाई कार्य में तेजी आएगी और मैन्युअल निर्भरता कम होगी जिससे स्वच्छता स्तर में सुधार होगा।

9 साल की वंशिका की अनोखी राम भक्ति, स्केटिंग से 450 km का सफर, फिरोजाबाद से ऐसे पहुंची अयोध्या

आर्यावर्त संवाददाता

फिरोजाबाद। यूपी के फिरोजाबाद जिले के शिकोहाबाद की रहने वाली 9 वर्षीय वंशिका यादव की चर्चा इन दिनों प्रदेश भर में हो रही है। वह स्केटिंग कर 450 किमी की दूरी तय कर राम लला के दर्शन करने फिरोजाबाद से अयोध्या पहुंच गई। वहां पहुंचने पर राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने उसका स्वागत किया और राम लला का दर्शन कराया। वंशिका 5 दिनों तक स्केटिंग से सफर तय कर अयोध्या पहुंची।

वंशिका के आगे पीछे उसके पिता शिव शंकर यादव व चाचा कार से चल रहे थे। स्केटिंग कर अयोध्या जाते वंशिका का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में दिख रहा है कि वह सड़क पर दूरी व स्थान को प्रदर्शित करने वाले लगे मील पत्थरों पर पड़ी धूल को भी साफ कर रही है। ट्रस्टी डॉक्टर अनिल मिश्र ने कहा कि शिकोहाबाद से आई वंशिका की यह भक्ति भगवान

स्वयं देख रहे हैं।

उन्होंने कहा कि 450 किलोमीटर लंबे सफर को तय कर उसने देशभर की महिलाओं को बड़ा संदेश दिया है। कोई भी कार्य यदि ठान लिया जाए तो वह जरूर पूरा होता है। उन्होंने कहा कि इस ठंड में स्केटिंग कर अयोध्या आने का संकल्प भावुक करने वाला है। बड़े ही बहादुरी से बेटी अयोध्या पहुंची है। इस संकल्प को पूरा करने के लिए उनके माता पिता को बधाई।

कब शुरू की थी यात्रा?

वंशिका ने 3 जनवरी को अपनी यात्रा शुरू की थी। हाईवे, सड़कों और पतली गलियों से स्केटिंग करते हुए वह 9 जनवरी को अयोध्या पहुंची। खराब मौसम और लंबी दूरी के बावजूद, उसने बिना किसी रुकावट के अपना मिशन जारी रखा। बीच-बीच में, वंशिका को सड़क किनारे लगे मील के पत्थरों से धूल, झाड़ियां और मलबा हटाते हुए देखा गया। यह एक ऐसा काम था, जिससे पता चलता है कि वह कितनी अनुशासित थी और अपने साथ जिम्मेदारी की भावना लेकर चल रही थी। डॉक्टर अनिल मिश्र ने कहा कि जिस उम्र में ज्यादातर बच्चे आध्यात्मिकता से दूर रहते हैं। उस उम्र में वंशिका का रास्ता वाकई अलग है। अब ऐसे में वंशिका की चर्चा अयोध्या और फिरोजाबाद ही नहीं बल्कि पूरे प्रदेश भर में हो रही है।

आशिया नहीं अब अंशिका बुलाइए... बरेली में लड़की ने हिंदू धर्म अपनाया, मंदिर में जाकर की शादी

आर्यावर्त संवाददाता

बरेली। यूपी के बरेली जिले में प्रेम विवाह की एक गजब कहानी सामने आई है। जिसकी जिले भर में चर्चा हो रही है। एक 20 वर्षीय मुस्लिम लड़की हिंदू धर्म अपनाकर अपने प्रेमी मोनू से शादी कर दी। दोनों ने बरेली के मढ़ीनाथ स्थित अगस्त्य मुनि आश्रम में हिंदू रीति-रिवाज से सात फेरे लिए। शादी के बाद युवती ने अपने परिवार से जान का खतरा बताते हुए पुलिस से सुरक्षा की मांग की है। आइए जानते हैं कि पूरा मामला क्या है।

जिले के मीरगंज इलाके की रहने वाली 20 साल की लड़की आशिया ने मोनू से प्रेम करती है। प्रेमी से शादी करने के लिए उसने हिंदू धर्म अपना लिया और अपना नाम अंशिका रख लिया। परिवार और समाज के विरोध के बावजूद दोनों ने साथ रहने का फैसला लिया। अब शादी के बाद

दोनों डर के माहौल में जी रहे हैं। वही धर्म बदलकर हिंदू बनने के बाद शादी करने वाली लड़की कहना है कि मेरे पूर्वज भी हिंदू थे।

मेले में हुआ प्यार, 5 साल बाद हुई शादी

मोनू और अंशिका की प्रेम कहानी करीब पांच साल पुरानी है। अंशिका की बहन की शादी भोजीपुरा थाना क्षेत्र के गांव पीपलसाना में हुई है। करीब पांच साल पहले अंशिका अपनी बहन के घर गई थी। उसी दौरान गांव में लगे मेले में उसकी मुलाकात मोनू से हुई। बातचीत शुरू हुई और धीरे-धीरे दोनों में दोस्ती हो गई। यह दोस्ती प्यार में बदल गई। दोनों फोन पर बात करने लगे और एक-दूसरे को समझने लगे। मोनू इस समय दिल्ली में रहकर फल और सब्जी का काम करता है। जब दोनों ने शादी का फैसला किया और परिवार को बताया, तो हालात बिगड़ने लगे। अंशिका का कहना है कि जब उसने अपने जीजा को इस रिश्ते के बारे में बताया तो उन्होंने धर्म अलग होने की बात कहकर शादी से मना कर दिया। आरोप है कि उसे जान से मारने की धमकी भी दी गई।परिवार के विरोध और डर के बावजूद दोनों अपने फैसले पर अडिग रहे। दोनों का कहना है कि वह बालिग हैं और अपनी मर्जी से शादी करना चाहते है।

धर्म परिवर्तन, शपथ पत्र और आश्रम में शादी

शादी से पहले अंशिका ने जिलाधिकारी को शपथ पत्र दिया। इसमें उसने नाम और धर्म बदलने की जानकारी दी। शपथ पत्र में अंशिका ने लिखा कि उसके पूर्वजों को पहले जबरन मुसलमान बनाया गया था और उसकी आस्था हमेशा से हिंदू धर्म में रही है। उसने यह भी कहा कि वह इस्लाम में प्रचलित कुछ प्रथाओं से खुश नहीं थी और पिछले कई सालों से भगवान शिव की पूजा कर रही थी।

शादी से पहले हुआ लड़की का शुद्धिकरण

इसके बाद दोनों मढ़ीनाथ स्थित अगस्त्य मुनि आश्रम पहुंचे। वहां पंडित केके शंखधार ने वैदिक मंत्रों के साथ विवाह संपन्न कराया। शादी से पहले शुद्धिकरण की प्रक्रिया कराई गई। गंगाजल का पान कराया गया और गायत्री मंत्र का जाप हुआ। इसके बाद मोनू और अंशिका ने अग्नि को साक्षी मानकर सात फेरे लिए। मोनू ने अंशिका की मांग में सिंदूर भरा, मंगलसूत्र पहनाया और सनातन परंपरा के अनुसार सभी रस्में निभाई गईं। अंशिका ने बिछिया और अन्य सुहाग के आभूषण भी धारण किए। पंडित केके शंखधार ने बताया कि लड़की बालिग है और उसने बिना किसी दबाव के अपनी मर्जी से धर्म परिवर्तन कर शादी की है।

अब जान का खतरा, पुलिस से सुरक्षा की गुहार

शादी के बाद से ही दोनों डरे हुए हैं। अंशिका का आरोप है कि उसके घरवाले इस शादी से नाराज हैं और उनकी जान को खतरा है। इसी वजह से दोनों फिलहाल किसी सुरक्षित और गुप्त स्थान पर रह रहे हैं। जानकारी के अनुसार, शनिवार को दोनों भोजीपुरा थाने पहुंचकर अपनी शादी से जुड़े कागजात पुलिस को सौंपेंगे और सुरक्षा की मांग करेंगे।

फैटी लिवर वालों को दूध वाली चाय पीनी चाहिए या नहीं? एक्सपर्ट ने बताए चौंकाने वाले सच

फैटी लिवर का होना आजकल एक कॉमन बात है। देखा जाए तो हर 3 में से 1 आदमी ग्रेड वन फैटी लिवर का शिकार है। इसके होने पर खानपान को लेकर कई मिथक चलते हैं। जिनमें से एक दूध वाली चाय पीनी चाहिए या नहीं? चलिए आपको एक्सपर्ट के जरिए बताते हैं ऐसा करना सही है या नहीं।

फैटी लिवर की दिक्कत को कंट्रोल न किया जाए तो सिचुएशन सिरोसिस या कैंसर तक पहुंच जाती है। भारतीयों का बिगड़ा हुआ खानपान इसका बड़ा कारण है। वैसे खानपान को लेकर कई मिथक लोगों में पॉपुलर है। कोई कहता है कि ब्लैक कॉफी पीने से लिवर पहले जैसा हो जाता है तो कुछ मानते हैं कि दिक्कत के होने पर दूध वाली चाय बिल्कुल नहीं पीनी चाहिए। यहां हम दूध वाली चाय पीनी चाहिए या नहीं इस पर आपको बताने जा रहे हैं। एनसीबीआई की एक रिसर्च के मुताबिक भारत में करीब 16 से 32 फीसदी पॉपुलेशन को नॉन एल्कोहॉलिक फैटी लिवर की शिकायत है। रिपोर्ट कहती है कि भारतीयों में फैटी लिवर के होने का बड़ा कारण लाइफस्टाइल में बदलाव, कम एक्टिव रहना, बिगड़ी डाइट और कैलोरी से भरी हुई चीजें ज्यादा खाना जैसी आदतें हैं।

इंडियन का खानपान में हद से ज्यादा तेल और मिर्च-मसाले शामिल रहते हैं और इस वजह से लिवर तेजी से बीमार पड़ने लगता है। ये दिक्कत टाइप 2 डायबिटीज तक की जिम्मेदार है। एनसीबीआई की रिपोर्ट में ये भी बताया गया है कि भारत में 6 करोड़ से ज्यादा लोग टाइप 2 डायबिटीज की चपेट में आ चुके हैं। एक्सपर्ट से जानें फैटी लिवर होने पर दूध वाली चाय पीनी चाहिए या नहीं।

सीनियर डाइटिशियन गीतिका चोपड़ा कहती हैं कि हमारे लिवर के फैटी होने में शुगर लेवल ही जिम्मेदार होता है। दरअसल, जब ब्लड शुगर नॉर्मल से ऊपर बढ़ता है तो इंसुलिन का लेवल बढ़ता है और एक्स्ट्रा ग्लूकोज हमारे लिवर में फैट के फॉर्म में स्टोर होने लगता है। इसी कारण फैटी लिवर की प्रॉब्लम हो जाती है। शरीर में दो तरह से लिवर फैटी होता है जिसमें एल्कोहॉलिक और नॉन एल्कोहोलिक के टाइप शामिल हैं। चलिए आपको बताते हैं कि नॉन एल्कोहॉलिक फैटी लिवर है तो दूध वाली चाय पीनी चाहिए या नहीं?

डाइटिशियन गीतिका चोपड़ा कहती हैं कि फैटी लिवर वालों को दूध वाली चाय पीनी चाहिए या नहीं ये जरूरी नहीं है। मैं कहती हूं कि आप मुद्दा चाय से ज्यादा इसे पीने के तरीके, टाइमिंग और मात्रा का है। साइंटिफिक तरीके से देखें तो दूध वाली चाय फैटी लिवर के लिए आइडल च्वॉइस नहीं होती। खासकर, अगर रोज ज्यादा कप पिए जा रहे हों। दूध में सैचुरेटेड फैट होता है और जब ये चाय के कैफीन के साथ मिलता है तो डाइजेशन को स्लो कर सकता है। फैटी होने की वजह से लिवर पहले ही एक्स्ट्रा बोझ झेल रहा होता है। इस बीच ज्यादा सैचुरेटेड और बढ़े हुए इंसुलिन के कारण लिवर में और फैट स्टोर होने लगता है। इसलिए जो लोग रोजाना तीन से चार कप दूध वाली चाय पीते हैं उनमें फैटी लिवर के इंप्रूव होने की स्पीड स्लो हो जाती है।

एक्सपर्ट ने आगे बताया कि इससे एक और इश्यू होता है। इसमें ब्लड शुगर और इंसुलिन रिस्पॉन्स की दिक्कत शामिल है। बहुत से लोग दूध वाली चाय के साथ बिस्किट, रस्क और टोस्ट लेते हैं। इस कॉम्बिनेशन की वजह से रिफाइंड कार्ब्स और फैट मिलते हैं जिससे इंसुलिन रेजिस्टेंस खराब होने लगता है। फैटी लिवर का इंसुलिन रेजिस्टेंस से डायरेक्ट कनेक्शन होता है।

फैटी लिवर होने पर खानपान में रखें इन चीजों का ध्यान

हालांकि, एक्सपर्ट ने कहा कि फैटी लिवर वाले बिल्कुल दूध वाली चाय नहीं पी सकते। अगर किसी के लिए इसे छोड़ना मुश्किल है तो वो दिनभर में एक कप चाय लिमिट में पी सकता है। इसमें चाय लाइट हो और दूध-चीनी भी कम हो। हो सके तो चाय को गुड़ के साथ लें और सुबह खाली पेट भूल से भी न पिएं। एक्सपर्ट के मुताबिक सबसे बेहतर ऑप्शन ग्रीन टी या लेमन टी है। दालचीनी की चाय या जीरा वाटर भी पी सकते हैं क्योंकि इनसे लिवर डिटॉक्स होता है और इंसुलिन सेंसिटिविटी को सपोर्ट मिलता है। फैटी लिवर में दूध वाली चाय जहर नहीं है लेकिन दवा भी नहीं है। अगर गोल लिवर हीलिंग का है तो चाय को आदत नहीं कभी-कभी पीने वाली चीज समझें।

खानपान भी हो ऐसा

अगर किसी को लिवर पर फैट की शिकायत है तो उसे खाने में ऐसी चीजें शामिल करनी चाहिए जिनमें फाइबर सबसे ज्यादा हो। खीरा, टमाटर जैसी चीजों की सलाद खाएं। इसके अलावा इसबगोल की ड्रिंक पिएं क्योंकि इसमें सबसे ज्यादा फाइबर होता है।

खाना खाते समय इसे ठीक से चबाएं क्योंकि ऐसा करने पर पेट और लिवर को कम बोझ झेलना पड़ता है।

डिटॉक्स ड्रिंक्स पिएं। क्योंकि लिवर और किडनी खुद से डिटॉक्स होते हैं लेकिन अगर आप हेल्दी ड्रिंक्स को पीते हैं तो इनसे डिटॉक्सिफिकेशन में हेल्प मिलती है।

पारंपरिक कपड़ों के साथ इस तरह करें मेकअप, लगेंगी सबसे ज्यादा खूबसूरत

पारंपरिक कपड़े जैसे साड़ी, सलवार-कमीज और लहंगा-चोली पहनने का अपना एक अलग ही मजा है। ये न केवल आपको शाही अंदाज देते हैं, बल्कि आपके पूरे लुक को खास बना देते हैं। हालांकि, सही मेकअप न करने पर ये लुक अधूरा सा लगता है। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे मेकअप के तरीके बताएंगे, जो पारंपरिक कपड़ों के साथ अच्छे लगेंगे और आपके चेहरे को निखार देंगे।

हल्का फाउंडेशन या बीबी क्रीम लगाएं

पारंपरिक कपड़ों के साथ भारी फाउंडेशन लगाने की जरूरत नहीं होती। इसके बजाय हल्का फाउंडेशन या बीबी क्रीम लगाएं। यह न केवल आपकी त्वचा को आराम देगा, बल्कि आपके चेहरे को प्राकृतिक रूप से निखार देगा। हल्का फाउंडेशन या बीबी क्रीम आपकी त्वचा को हवा लगने देता है और उसे चमकदार बनाता है। इससे आपका मेकअप लंबे समय तक सही बना रहेगा और आपको एक ताजगी भरा लुक मिलेगा, जो पारंपरिक कपड़ों के साथ बहुत ही सुंदर लगेगा।

आंखों पर ध्यान दें

आंखों का मेकअप पारंपरिक लुक में अहम भूमिका निभाता है। आंखों के लिए काजल और मस्करा का सही उपयोग करें ताकि आपकी आंखें बड़ी और आकर्षक दिखें। इसके अलावा आप अपनी आंखों को और भी खूबसूरत बनाने के लिए हल्के चमकदार आईशैडो का उपयोग कर सकती हैं। इससे आपकी आंखें चमकदार दिखेंगी और आपका पूरा लुक और भी खास लगेगा। काजल और मस्करा का सही उपयोग करके आप अपनी आंखों को निखार सकती हैं।

होंठों पर हल्के शेड की लिपस्टिक लगाएं

पारंपरिक कपड़ों के साथ हल्के शेड की लिपस्टिक लगाना सबसे अच्छा रहता है। गुलाबी या नारंगी शेड की लिपस्टिक आपके होंठों को निखार देगी और आपके चेहरे पर ताजगी लाएगी। अगर आप चाहें तो लिपस्टिक के ऊपर हल्की ग्लॉस भी लगा सकती हैं, जिससे आपके होंठ और भी आकर्षक दिखें। हल्के शेड की लिपस्टिक न केवल आपको एक सुंदर लुक देती है, बल्कि यह आपके पूरे मेकअप को संतुलित भी बनाती है। इससे आप बेहद खूबसूरत लगेंगी।

गालों पर हल्का रंग लगाएं

गालों पर हल्का रंग लगाना न भूलें। यह आपके चेहरे को ताजगी भरा और जीवंत बनाएगा। गालों पर हल्का सा गुलाबी या आड़ू रंग का ब्लश लगाने से आपका चेहरा चटकदार दिखेगा और आपकी मुस्कान में भी निखार आएगा। इसके अलावा यह आपके पूरे मेकअप को संतुलित भी बनाएगा। सही तरीके से ब्लश लगाने पर आपका लुक और भी खास लगेगा और आप हर मौके पर आकर्षक दिखेंगी।

बालों को खुला छोड़ दें या जूड़ा बनाएं

बालों को खुला छोड़ना या जूड़ा बनाना आपके पारंपरिक लुक को पूरा कर सकता है। अगर आपने भारी गहने पहन रखे हैं तो बालों को खुला छोड़ना अच्छा रहेगा ताकि आपका लुक संतुलित दिखे, वहीं अगर आपने हल्के गहने पहने हैं तो जूड़ा बनाना बेहतर रहेगा, जिससे आपका चेहरा साफ दिखेगा। इस तरह आप अपने पारंपरिक कपड़ों के साथ सही मेकअप और हेयरस्टाइल चुनकर हमेशा आकर्षक दिख सकती हैं।

लव मैरिज या माता-पिता की मर्जी से शादी...क्या है आपके लिए बेहतर, सद्गुरु ने बताया

शादी का रिश्ता एक-दो दिन या कुछ महीने का नहीं होता है, बल्कि दो अलग-अलग बैकग्राउंड से आए लोगों को लाइफटाइम साथ रहने के वादे के साथ हाथ थामना होता है, इसलिए जरूरी है कि शादी एक सही शख्स के साथ हो। ऐसे में कुछ लोग पेरेंट्स की मर्जी की शादी को बेहतर मानते हैं तो कुछ लव मैरिज को। आपके लिए क्या बेहतर है, इस बारे में सद्गुरु से जानिए।

भारत में शादी पूरी जिंदगी का यहां तक कि सात जन्मों का बंधन मानी जाती है। ये दो लोगों के बीच का रिश्ता न होकर दो परिवारों का रिलेशन होता है। आज के टाइम में हमारे देश में भी तलाक के बहुत सारे मामले देखने में आने लगे हैं, लेकिन ये इतना सामान्य नहीं होता है। अगर हस्बैंड वाइफ के रिश्ते में किसी तरह की परेशानी आती है तो उसका असर बहुत ज्यादा होता है, क्योंकि इससे बहुत सारे लोग जुड़े होते हैं। यही वजह है कि कहा जाता है रिश्ता जोड़ने से पहले हर एक पहलू पर ध्यान दिया जाना चाहिए। भारत में भी लव और अरेंज दोनों तरह की शादियां होती हैं, लेकिन आपके लिए क्या ज्यादा बेहतर है। इस बारे में सद्गुरु यानी आचार्य रजनीश जग्गी वासुदेव ने अपने विचार रखे हैं।

लव या फिर अरेंज... किस तरह की शादी ज्यादा बेहतर रहती है। इसको लेकर हमेशा ही लोगों में अलग-अलग राय रहती है। कुछ का कहना होता है कि माता-पिता परिवार के चुना जीवन साथी सही रहता है तो कुछ का मानना रहता है कि जिनको जिंदगीभर एक दूसरे के साथ रहना है। उनका पहले से एक दूसरे को जानना जरूरी है, इसलिए लव मैरिज बेस्ट रहती है। फिलहाल जान लेते हैं इस बारे में सद्गुरु के क्या विचार हैं।

तलाक की बढ़ती दर

सद्गुरु शादी को लेकर बात करते हुए कहते हैं कि स्पेन में तलाक की दर करीब 65 प्रतिशत है, रूस में 51 प्रतिशत, अमेरिका में 43 प्रतिशत और भारत में 1.1.5 प्रतिशत है। इस तरह से अब आप ही ये तय करें कि यह कहां कारगर है। वह कहते हैं कि भारत में रिश्तों की सफलता की दर बिल्कुल साफ है।

शादी पर सद्गुरु के विचार

सद्गुरु कहते हैं कि जब माता-पिता आपकी शादी का आधार होते हैं तो थोड़ा बेहतर रहता है, क्योंकि वो थोड़ा आगे की सोचते हैं। जबकि आपको तो उसका पहनावा पसंद आ गया तो आप आज ही शादी करना चाहते हैं, लेकिन फिर महसूस होता है कि इससे कुछ लेना-देना नहीं है। ऐसे में जब माता-पिता तय करते हैं तो मैं आपसे एक सीधा सवाल पूछ रहा हूं, कि उनकी परख शायद सबसे अच्छी न हो, लेकिन मां-बाप आपके लिए सबसे अच्छा चाहते हैं। अगर आप उनसे ज्यादा मेच्योर हो गए हैं तो आप खुद फैसला ले सकते हैं।

लव या फिर अरेंज

जैसा कि सद्गुरु कहते हैं कि भले ही माता-पिता की परख सबसे बेहतरीन न हो, लेकिन वो अपने बच्चों के लिए अच्छा ही सोचते हैं। अरेंज मैरिज और लव मैरिज की बात करें तो हर किसी की अपनी चॉइस होती है, लेकिन यहां पर एक सिंपल सी चीज मायने रखती है कि अगर आप अपने लिए खुद शादी का फैसला लेना चाहते हैं तो भी ये देखना जरूरी है कि आपका पार्टनर कुछ चीजों में तो कम से कम बेहतर हो। जैसे उसका व्यवहार आपके अलावा दूसरों के साथ कैसा है। वह आपकी फैमिली को लेकर क्या सोच रखता है और उसका फैमिली बैकग्राउंड कैसा है और क्या वाकई आप लाइफटाइम उस इंसान के साथ रिश्ता निभाने के लिए तैयार हैं। दरअसल जब पेरेंट्स या फैमिली बच्चों के लिए जीवनसाथी सेलेक्ट करते हैं तो इन सारे पहलुओं पर ध्यान दिया जाता है।

यूपीआई से जुड़ा नया नियम लागू... गलती पर यूजर्स को उठाना पड़ सकता है भारी नुकसान

भारत में डिजिटल पेमेंट का सबसे भरोसेमंद और लोकप्रिय माध्यम बन चुका यूपीआई आज करोड़ों लोगों की रोजमर्रा की ज़िंदगी का हिस्सा है। सब्ज़ी खरीदने से लेकर ऑनलाइन शॉपिंग, बिजली बिल, स्कूल फीस और ट्रैवल बुकिंग तक हर जगह यूपीआई का इस्तेमाल हो रहा है। लेकिन अब इसी यूपीआई को लेकर एक नया और सख्त नियम लागू किया गया है, जिसकी जानकारी न होने पर यूजर्स को भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है।

इस वजह से होता है यूपीआई ब्लॉक

इस नए नियम का सीधा असर यूपीआई अकाउंट की सुरक्षा और वैधता से जुड़ा है। अगर कोई यूजर लापरवाही करता है, गलत या पुरानी जानकारी का इस्तेमाल करता है, या जरूरी अपडेट्स को नजरअंदाज करता है, तो उसका यूपीआई अकाउंट अस्थायी या स्थायी रूप से ब्लॉक किया जा सकता है। सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि कई लोगों को तब तक इसका पता नहीं चलता, जब तक उनका पेमेंट अचानक फेल न होने लगे।

क्या है यूपीआई का नया नियम

यूपीआई से जुड़े नए नियम के तहत यह जरूरी किया गया है कि हर यूपीआई अकाउंट एक सक्रिय, वैध और सही मोबाइल नंबर से जुड़ा होना चाहिए। अगर किसी यूज़र का मोबाइल नंबर इनएक्टिव है, बंद हो चुका है, या लंबे समय से इस्तेमाल में नहीं है, तो उस नंबर से जुड़ी यूपीआई ID को जोखिम भरा माना जाएगा। इसके अलावा, अगर बैंक या यूपीआई सिस्टम को यह लगता है कि किसी अकाउंट से जुड़ी जानकारी अपडेट नहीं है, पहचान वेरिफिकेशन अधूरा है या यूजर लंबे समय से इनएक्टिव है, तो उस अकाउंट पर पाबंदी लगाई जा सकती है।

क्यों लाया गया यह नियम

1.इस नियम के पीछे सबसे बड़ा कारण है डिजिटल फ्रॉड और गलत लेन-देन को रोकना। कई मामलों में देखा गया है कि: – बंद मोबाइल नंबर किसी और को दोबारा मिल जाता है 2.- उसी नंबर से जुड़ा यूपीआई अकाउंट पुराना रहता है – नया यूजर अनजाने में पुराने बैंक अकाउंट से लिंक हो जाता है ऐसी स्थिति में धोखाधड़ी, गलत ट्रांजैक्शन और डेटा मिसयूज़ की संभावना बहुत बढ़ जाती है। इसीलिए यूपीआई सिस्टम को साफ और सुरक्षित रखने के लिए यह नियम लाया गया है।

आम यूजर पर क्या असर पड़ेगा

इस नए नियम का असर सीधे तौर पर हर यूपीआई यूजर पर पड़ता है। यूपीआई पेमेंट अचानक बंद हो सकता है अगर आपका अकाउंट नियमों के अनुरूप नहीं है, तो पेमेंट करते समय ट्रांजैक्शन फेल हो सकता है।

अनदेखी करने पर ब्लॉक या सस्पेंड हो सकता है यूपीआई अकाउंट

लगातार नियमों की अनदेखी करने पर यूपीआई ID को अस्थायी या स्थायी रूप से ब्लॉक किया जा सकता है। Google Pay, PhonePe, Paytm सब पर असर यह नियम किसी एक ऐप तक सीमित नहीं है, बल्कि सभी यूपीआई प्लेटफॉर्म पर लागू होता है। रोजमर्रा के काम रुक सकते हैं बिल पेमेंट, पैसे ट्रांसफर, ऑनलाइन खरीदारी सब कुछ प्रभावित हो सकता है।

कैसे बचें यूपीआई अकाउंट ब्लॉक होने से

अगर आप चाहते हैं कि आपका यूपीआई अकाउंट सुरक्षित रहे, तो इन बातों का खास ध्यान रखें:-

1- बैंक अकाउंट से जुड़ा मोबाइल नंबर हमेशा एक्टिव रखें।

2- मोबाइल नंबर बदला है तो तुरंत अपडेट करें 3. समय-समय पर यूपीआई का इस्तेमाल करते रहें।

4- यूपीआई ऐप में प्रोफाइल और KYC पूरी रखें।

5- किसी अनजान लिंक या कॉल से यूपीआई जानकारी शेयर न करें।

कैसे पता करें कि आपका नंबर ब्लॉक हुआ है या नहीं

इस वक्त कोई सार्वजनिक लिस्ट नहीं है जिससे आप सीधे जान सकें कि आपका नंबर ब्लॉक हुआ है या नहीं। लेकिन अगर आप नीचे दिए गए लक्षण देख रहे हैं, तो सतर्क हो जाइए: लगातार यूपीआई फेल हो रहा है, "Transaction under review" या "Could not process" जैसे मैसेज आ रहे हैं, QR कोड स्कैन करने पर भी पेमेंट नहीं हो पा रहा तो ऐसी स्थिति में अपने बैंक या यूपीआई ऐप की हेल्पलाइन से संपर्क करें।

क्या इस साल भी बदल सकते हैं 2000 के नोट, यहां है जवाब

अगर आप 2026 में भी 2000 रुपए के नोट संभाल कर रख रहे हैं, तो आप एक ऐसी करेंसी पर बैठे हैं जिसका उपयोग पूरी तरह से बंद हो चुका है। नवंबर 2016 में नोटबंदी के बाद, जब 500 और 1000 रुपए के नोट रातोंरात प्रचलन से बाहर हो गए थे, तब देश के लोगों को कैश की भारी कमी का सामना करना पड़ा। आरबीआई ने इकोनॉमी में करेंसी की सप्लाई बढ़ाने के लिए 2000 रुपए का नोट जारी किया। ताकि करेंसी की सप्लाई बढ़ सके और लोग सीमित डेडलाइन में अपने पुराने 500 और 1000 रुपए के नोटों को इन नोटों से बदल सकें। 2018-19 तक, करेंसी की कमी दूर हो गई और आरबीआई ने इन नोटों की छपाई पूरी तरह से बंद कर दी।

देश के लोगों के पास तब तक दूसरे मूल्यवर्ग के पर्याप्त नोट थे। इसलिए आरबीआई ने अपनी "क्लीन नोट पॉलिसी" के तहत मई 2023 में 2000 रुपए के नोटों को प्रचलन से वापस लेने की घोषणा की। 2000 रुपए के 98 फीसदी से अधिक नोट आरबीआई को वापस कर दिए गए हैं और केवल 5,669 करोड़ रुपए के नोट लोगों के पास अब भी रखे हुए हैं। अब सबसे बड़ा सवाल ये है कि क्या साल 2026 में भी 2000 रुपए के नोटों को बदला जा सकता है। आइए इस सवाल का जवाब तलाशने की कोशिश करते हैं?

भारत के सर्वोच्च न्यायालय के एडवोकेट-ऑन-रिकॉर्ड बी। श्रावंत शंकर कहते हैं कि 2026 तक, 2000 रुपए के नोट वैध मुद्रा बने रहेंगे, लेकिन इनकी व्यावहारिक उपयोगिता काफी कम हो गई है। वे आगे कहते हैं कि आरबीआई ने इन्हें प्रचलन से पहले ही वापस ले लिया है, और लंबे समय तक इन्हें अपने पास रखने से असुविधा का खतरा है, न कि अवैधता का।

आप 2026 में 2000 रुपए के नोट कैसे बदल सकते हैं?

हालांकि 2000 रुपए के नोट अगले आदेश तक वैध करेंसी बने रहेंगे, लेकिन देश में किसी भी रेगुलर बैंक शाखा में नोट बदलने की सुविधा 7 अक्टूबर, 2023 को समाप्त हो गई। इसका मतलब यह है कि आप अब किसी बैंक में जाकर अपने 2000 रुपए के नोटों को अन्य प्रचलन में मौजूद करेंसी नोटों की तरह नहीं बदल सकते। हालांकि, एक ऑप्शन है, जिसके तहत आप अभी भी 2000 रुपए के नोट बदल सकते हैं या इन्हें आरबीआई के 19 नॉमिनेटिड इश्यू ऑफिस में जमा कर सकते हैं। आरबीआई के 19 ऐसे कार्यालय जहां आप अभी भी अपना 2000 रुपए का नोट बदल सकते हैं। ये कार्यालय अहमदाबाद, बेंगलुरु, भोपाल, भुवनेश्वर, चंडीगढ़, चेन्नई, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, जम्मू, कानपुर, कोलकाता, लखनऊ, मुंबई, नागपुर, नई दिल्ली, पटना, तिरुवनंतपुरम और बेलापुर में स्थित हैं। इन कार्यालयों में आप 2000 रुपए के नोटों को दूसरे मूल्यवर्ग के नोटों से बदल सकते हैं। जिसकी मैक्सीमम लिमिट 20,000 रुपए तक है। इन नोटों को सीधे भारत में किसी बैंक अकाउंट में डिपॉजिट कर सकते हैं।

पोस्ट ऑफिस भी करेगा मदद

जो लोग आरबीआई के नोट जारी करने वाले कार्यालय में नहीं जा सकते, वे भारत में किसी भी डाकघर से इंडिया पोस्ट के माध्यम से आरबीआई के नोट जारी करने वाले कार्यालय में 2,000 रुपए के नोट भेज सकते हैं, ताकि उन्हें उनके बैंक खाते में जमा किया जा सके। यह विकल्प विशेष रूप से दूरदराज के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों, सीनियर सिटीजंस या चलने-फिरने में असमर्थ लोगों के लिए उपयोगी है। नोट बदलने या जमा करने के लिए वैध पहचान पत्र प्रस्तुत करना और आरबीआई या सरकारी नियमों के अनुसार उचित जांच-पड़ताल करना आवश्यक होगा।

किन डॉक्युमेंट्स की पड़ेगी जरुरत

खैतान एंड कंपनी की पार्टनर मनीषा श्रॉफ ईटी की रिपोर्ट में कहती हैं कि हालांकि आरबीआई या आयकर अधिकारियों ने 2,000 रुपए के नोटों के बदलने/जमा करने के लिए कोई विशिष्ट दस्तावेज निर्धारित नहीं किए हैं, फिर भी प्रत्येक डिपॉजिट का ऑडिट रिकॉर्ड रखना लोगों के लिए फायदेमंद हो सकता है। वह कहती हैं कि लोगों को अपने पास आरबीआई या इंडिया पोस्ट की रसीद, बैंक स्टेटमेंट जिसमें राशि डिपॉजिट होने की डिटेल हो, पैन/केवाईसी डॉक्युमेंट्स और जमा किए गए फॉर्म की रिसिप्ट, कैश मिलने के सोर्स डॉक्युमेंट्स जैसे सैलरी स्लिप, इनकम टैक्स रिटर्न की कॉपी और विड्रॉल, कैश कब और क्यों प्राप्त हुई, इसका एक शॉर्ट नोट रिकॉर्ड शामिल हैं। शंकर कहते हैं कि व्यक्तियों को बैंक डिपॉजिट स्लिप, आरबीआई ऑफिस द्वारा जारी एक्सचेंज रिसिप्ट और फंड सोर्स के डिटेल जैसे बुनियादी रिकॉर्ड रखने चाहिए। वे आगे कहते हैं कि हालांकि 2000 रुपए के नोट रखना स्वतः गैरकानूनी नहीं है, लेकिन स्पष्ट दस्तावेजी रिकॉर्ड बनाए रखने से भविष्य में इनकम टैक्स संबंधी किसी भी पूछताछ से बचाव होता है और यह आपकी ईमानदारी को दर्शाता है।

अगर आज कोई आपको 2000 रुपए के नोट दे तो क्या होगा?

बैंकबाजार के सीईओ अधिल शेट्टी ईटी से बाते करते हुए कहते हैं कि 2000 रुपए के नोट स्वीकार करना कानूनी है, लेकिन हमेशा व्यावहारिक नहीं होता। अगर आपको ऐसा कोई नोट मिले, तो उसे जल्द से जल्द अपने बैंक अकाउंट में जमा कर दें। ऐसे भुगतानों को अस्वीकार करना भी समझदारी है, खासकर जब डिजिटल ऑप्शंस या छोटे नोट उपलब्ध हों। वे आगे कहते हैं कि इन नोटों को स्वीकार करने से अक्सर समस्या बाद के लिए टल जाती है। श्रॉफ भी इस बात से सहमत हैं कि वर्तमान में एक्सचेंज/डिपॉजिट के सीमित माध्यमों को देखते हुए, रिसिवर को जहां तक संभव हो, 2000 रुपए के नोट स्वीकार करने से बचना चाहिए और पेमेंट के दूसरे तरीकों का अनुरोध करना चाहिए।

बड़े युद्ध की तैयारी में थे भारत-पाकिस्तान...मैंने रुकवाया, ट्रंप ने फिर अलापा पुराना बेसुरा राग

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध को रोकने वाला पुराना बेसुरा राग अलापा है। उन्होंने यह भी दोहराया कि पिछले साल संघर्ष में आठ विमानों को मार गिराया गया था। ट्रंप अब तक लगभग 70 बार यह दावा दोहरा चुके हैं कि उन्होंने मई 2025 में भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष को रोका था। ट्रंप ने एक साक्षात्कार में कहा, मैंने आठ युद्धों को रोका, सवा आठ, क्योंकि थाईलैंड और कंबोडिया ने फिर से युद्ध छेड़ दिया था। उन्होंने कहा कि सैद्धांतिक रूप से प्रत्येक युद्ध को रोकने के लिए नोबेल पुरस्कार मिलना चाहिए। क्योंकि इनमें से कुछ युद्ध 30 वर्षों से चल रहे थे। भारत और पाकिस्तान बड़े पैमाने पर युद्ध छेड़ने को तैयार थे। और ये दो परमाणु शक्ति वाले देश हैं। भारत ने 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया, जिसमें पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में आतंकी ढांचे को निशाना बनाया गया। यह कार्रवाई 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए हमले के जवाब में की गई थी, जिसमें 26 नागरिक मारे गए थे। चार दिनों तक चले तीव्र सीमा पार ड्रोन और मिसाइल हमलों के बाद, भारत और पाकिस्तान 10 मई को संघर्ष को खत्म करने के लिए एक समझौते पर पहुंचे। भारत ने संघर्ष के समाधान में किसी भी तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप से लगातार इनकार किया है। ट्रंप ने आगे कहा कि उन्होंने कांगो और रवांडा के बीच 30 वर्षों से चल रहे युद्ध को भी खत्म कराया। मैंने इतने सारे युद्ध खत्म कराए हैं। यह काम मुझे बहुत अच्छा लगता है, नोबेल पुरस्कार की वजह से नहीं, बल्कि इसलिए कि मैंने लाखों-लाखों लोगों की जान बचाई है।

ईरान की राजधानी तेहरान में रातभर जमकर बवाल, अब तक 217 लोगों की गई जान

तेहरान, एजेंसी। ईरान में राजनीतिक संकट गहराता जा रहा है। देशभर में प्रदर्शनकारियों ने धार्मिक नेतृत्व के खिलाफ आंदोलन और तेज कर दिया है। यही वजह है कि हालात बीते दो हफ्तों में सबसे ज्यादा हिंसक हो गए हैं। शुक्रवार रात को देश में प्रदर्शनकारियों ने जमकर बवाल किया। बढ़ती अशांति को देखते हुए सरकार ने पूरे देश में इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी हैं।

शुरुआत में यह आंदोलन महंगाई, बेरोजगारी और मुद्रा की गिरावट के खिलाफ था। लेकिन, धीरे-धीरे यह सीधे सत्ता और धार्मिक नेतृत्व के खिलाफ प्रदर्शन में बदल गया। अब यह आंदोलन सिर्फ तेहरान तक सीमित नहीं है। तेहरान के एक डॉक्टर ने नाम न बताने की शर्त पर टाइम मैगजीन को

बताया कि राजधानी तेहरान के केवल छह अस्पतालों में कम से कम 217 प्रदर्शनकारियों की मौत दर्ज की गई है, जिनमें से अधिकांश की मौत गोलियों से हुई है।

ईरान की राजधानी तेहरान के अलावा मशहद, कोम, इस्फ़हान, मशिरियेह,कजविन, बुशहर, वज्द शहर में भी हिंसक प्रदर्शन हो रहे हैं। प्रदर्शनकारियों ने कई जगहों पर सड़कों पर आगजनी भी की है। यही वजह है कि प्रदर्शन को काबू में करने के लिए पूरे ईरान में इंटरनेट आज भी बंद किया है।

217 लोगों की गई जान, 2 हजार से ज्यादा घायल

प्रदर्शन शुरू हुए 14 दिन से ज्यादा का समय पूरा हो चुका है। इसमें अब तक 5 लाख से ज्यादा लोग शामिल हो चुके हैं। देश के अलग-अलग हिस्सों में लगभग 400 जगहों पर यह प्रदर्शन हो रहा है। प्रदर्शन के दौरान हुईं झड़पों में अकेले तेहरान में अब तक 217 लोगों की मौत हो चुकी है। इनके साथ-साथ 14 सेना के जवान भी मारे गए हैं। पुलिस ने अब तक 2300 लोगों को हिरासत में भी लिया है।

मस्जिद और सरकारी इमारतों को किया आग के हवाले

ईरान के 20 प्रांतों में विद्रोह ही आग फैल चुकी है। 110 से ज्यादा शहरों में बड़े स्तर पर प्रदर्शन किए जा रहे हैं। अस्पताल में भी तोड़फोड़ के कई मामले में सामने आ चुके हैं। प्रदर्शनकारियों ने बीते दिन बासिज IRGC कैंप पर अटैक किया था। इसके अलावा तेहरान में 26 बैंकों में लूट को भी अंजाम दे चुके हैं। 25 मस्जिदों में आग लगाई और 10 सरकारी इमारतें खाक हो चुकी हैं। अब तक 24 अपार्टमेंट को नुकसान हुआ है। 48 दमकल गाड़ी जलाईं और 42 बसें आग के हवाले कर दी हैं। कॉलेज, यूनिवर्सिटी बंद ईरान में इंटरनेट सेवाएं बंद हैं।

तेजरान के मेयर ने क्या कहा?

तेहरान के मेयर अलीरेज़ा ज़कानी ने कहा कि ईरानी राजधानी में बड़े दंगों से शहर के इंफ्रास्ट्रक्चर को काफी नुकसान हुआ है। उन्होंने ईरान के सरकारी टीवी पर कहा, "एक अस्पताल को नुकसान पहुंचा है, दो मेडिकल सेंटर और 26 बैंकों को लूटा गया है, 25 मस्जिदों में आग लगा दी गई है, और कानून लागू करने वाली चौकियों और [इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स मिलिशिया] बसीज के हेडक्वार्टर पर हमला हुआ है। " ज़कानी ने आगे कहा कि इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीमें राजधानी में हुए नुकसान की मरम्मत के लिए काम कर रही हैं। उनके मुताबिक, दंगाइयों ने दस सरकारी इमारतों, 48 फायर ट्रकों, 42 बसों और एम्बुलेंस, साथ ही 24 अपार्टमेंट को नुकसान पहुंचाया है।

कैसे शुरू हुआ पूरा विरोध प्रदर्शन

29 दिसंबर, 2025 को, ईरानी रियाल की कीमत में भारी गिरावट के विरोध में व्यापारियों ने सेंट्रल तेहरान में विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। फ़ार्स न्यूज़ एजेंसी ने बताया कि विरोध करने वाले कारोबारी अपने साथियों से दुकानें बंद करके आंदोलन में शामिल होने की अपील कर रहे थे। 30 दिसंबर को, तेहरान यूनिवर्सिटी के छात्र भी इस अशांति में शामिल हो गए। 2 जनवरी को, मेहर ने बताया कि इलम प्रांत की सड़कों पर बंदूकों से लैस कुछ अज्ञात नकाबपोश लोग दिखाई दिए। हाल के दिनों में, प्रदर्शनकारियों और कानून लागू करने वाली एजेंसियों के बीच झड़पें तेज़ हो गई हैं।

हथियारों की रेस में फंसती दुनिया, ट्रंप के रक्षा बजट ने कैसे बढ़ाई टेंशन?

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 2027 के लिए रक्षा बजट को 1.5 ट्रिलियन डॉलर तक बढ़ाने की घोषणा ने दुनिया भर में चिंता बढ़ा दी है। रक्षा सूत्रों के मुताबिक, यह कदम खासतौर पर इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में नई हथियारों की दौड़ को जन्म दे सकता है। विश्लेषकों के मुताबिक, चीन अपने रक्षा खर्च में और इजाफा कर सकता है। आमतौर पर चीन खुद को तेजी से उभरती सैन्य शक्ति के तौर पर पेश करता है। इसके असर से भारत, जापान, दक्षिण कोरिया और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों पर भी दबाव बढ़ेगा कि वे चीन की बराबरी के लिए अपने सैन्य बजट में अरबों डॉलर जोड़ें।

गौरतलब है कि हाल में अमेरिकी कांग्रेस ने 2026 के लिए 901 अरब

डॉलर का रक्षा बजट मंजूर किया है, जो अब तक का सबसे बड़ा अमेरिकी रक्षा बजट है। इसमें 150 अरब डॉलर का अतिरिक्त फंड भी शामिल है, जिससे कुल राशि 1.05 ट्रिलियन डॉलर हो जाती है।

क्या ये कदम चीन के लिए जवाबी कार्रवाई?

सूत्रों के मुताबिक, ट्रंप का नया प्रस्ताव चीन को जवाबी कदम उठाने के लिए मजबूर करेगा, जिससे दुनियाभर में हथियार दौड़ तेज हो सकती है। हालांकि, यह दौड़ शीत युद्ध के दौर जैसी नहीं होगी, बल्कि इसके स्वरूप और समय-सीमा अलग होंगे। चीन अमेरिका की वैश्विक ताकत और डॉलर की भूमिका को चुनौती देने लगा है। वहीं भारत पर सीधा दबाव भले न पड़े, लेकिन चीन के बढ़ते रक्षा खर्च का असर भारत पर जरूर पड़ेगा।

ट्रंप के प्रस्ताव के मुताबिक, 2027 में रक्षा बजट में करीब 500 अरब डॉलर की बढ़ोतरी होगी। सिर्फ यह बढ़ोतरी ही चीन, भारत, जापान, दक्षिण कोरिया और ऑस्ट्रेलिया के संयुक्त रक्षा बजट से ज्यादा है, जो 2026 में लगभग 473 अरब डॉलर बताया गया है।

चीन और भारत से कितना ज्यादा?

आंकड़ों के अनुसार, 2025-26 में चीन का रक्षा खर्च करीब 245 अरब डॉलर, भारत का 81 अरब डॉलर, जापान का 58 अरब डॉलर, दक्षिण कोरिया का 45 अरब डॉलर और ऑस्ट्रेलिया का 44 अरब डॉलर रहा। ट्रंप के इस कदम के बाद चीन हाई-टेक सैन्य क्षमताओं पर ज्यादा फोकस करेगा और अपने सैन्य आधुनिकीकरण की रफ्तार बढ़ा सकता है। हालांकि, यह भी सवाल है कि क्या चीन इतनी बड़ी रकम के साथ अमेरिका की बराबरी कर पाएगा। कुल मिलाकर, ट्रंप का यह प्रस्ताव वैश्विक सुरक्षा संतुलन को बदलने वाला कदम माना जा रहा है, जिसके असर आने वाले सालों में साफ नजर आ सकते हैं।

नेतन्याहू को किडनैप कर ले अमेरिका... पाक रक्षा मंत्री ने क्यों दी ट्रंप को चुनौती?

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा कि पाकिस्तानी बेंजामिन नेतन्याहू को किडनैप करने की दुआ मांग रहे हैं। उन्होंने कहा कि अगर अमेरिका इंसानियत में विश्वास करता है, तो उसे इज़राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को 'किडनैप' कर लेना चाहिए, ठीक वैसे ही जैसे वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को ले जाया गया था। उन्होंने कहा कि तुर्की भी नेतन्याहू को किडनैप कर सकता है।

एक इंटरव्यू में पाकिस्तान के रक्षामंत्री ने ख्वाजा आसिफ ने नेतन्याहू को 'इंसानियत का सबसे बड़ा अपराधी' बताया। उन्होंने दावा किया कि इतिहास में कोई भी अत्याचार गाजा में फिलिस्तीनियों के खिलाफ किए गए अत्याचारों से मेल नहीं खाता है। ख्वाजा ने कहा कि पिछले 4 से 5 हजार सालों में किसी

भी समुदाय ने ऐसा नहीं किया है जो इज़राइल ने फिलिस्तीनियों के साथ किया है। उन्होंने कहा दुनिया ने इससे बड़ा अपराधी नहीं देखा है।

ख्वाजा आसिफ ने नेतन्याहू के समर्थकों को सजा देने का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा, 'कानून उन लोगों के बारे में क्या कहता है जो ऐसे अपराधियों का साथ देते हैं। ' पाकिस्तान ने कभी भी इज़राइल को मान्यता नहीं दी है और आधिकारिक तौर पर ईरान के साथ अपने संबंधों को भाईचारे और साझा क्षेत्रीय हितों के रूप में पेश करता है। मीडिया से बातचीत के दौरान भारत में इज़राइल के राजदूत रूवेन अज़ार ने कहा कि यहूदी देश गाजा फोर्स में पाकिस्तान सेना की भागीदारी से सहज नहीं है। उन्होंने कहा कि हमास और लश्कर-ए-तैयबा सहित पाकिस्तान स्थित आतंकी समूहों के बीच बढ़ते संबंधों पर गहरी चिंता जाहिर की।

असम की तीन सीटों पर चुनाव, सीएम हिमंता बोले– दो पर जीत तय

गुवाहाटी, एजेंसी। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा कि राज्य में अप्रैल में खाली होने वाली तीन राज्यसभा सीटों पर भाजपा और उसके सहयोगी उम्मीदवार उतारेंगे। उन्होंने दावा किया कि इन तीन सीटों में से दो सीटों की जीत पक्की है, जबकि तीसरी सीट पर भी जीत उनके पाले में आने की संभावना है।

मुख्यमंत्री सरमा ने पत्रकार वार्ता में कहा 'भाजपा, एजीपी और हमारा संयुक्त मोर्चा इन सभी तीन सीटों पर उम्मीदवार उतारेगा। हम दो सीटों में निश्चित रूप से जीतेंगे, तीसरी पर जीत या हार हो सकती है।'

सरमा ने यह भी कहा कि पिछले चुनाव में भाजपा और उसके सहयोगियों ने अजीत भूयान के खिलाफ उम्मीदवार नहीं उतारा, क्योंकि वे उसे तटस्थ और अच्छे कार्य के लिए उपयुक्त मानते थे। हालांकि, उन्होंने भूयान पर राज्यसभा सांसद कोष के दुरुपयोग के आरोप लगाते हुए कहा लेकिन उन्होंने अपने सांसद कोष के साथ क्या किया, वह हम सब जानते हैं।

विधानसभा में एनडीए के पास 83 सदस्य

बता दें कि अप्रैल में खाली होने वाली सीटों पर वर्तमान में दो भाजपा सांसद, भुवनेश्वर कालिता और रमेश्वर तेली और एक स्वतंत्र सांसद अजीत भूयान हैं। वर्तमान विधानसभा में भाजपा के पास 64 सदस्य, जबकि उसके सहयोगी एजीपी, यूपीपीएल और बीपीएफ के पास क्रमशः 9, 7 और 3 विधायक हैं। विपक्षी दलों में कांग्रेस के 26, एआईयूडीएफ के 15, सीपीआई(एम) का 1 विधायक और एक स्वतंत्र विधायक शामिल हैं।

'देश ऑटोपायलट पर भी चला, तो बन जाएगा विकसित भारत', एनएसए अजीत डोभाल का बड़ा बयान

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल शनिवार को 'विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग' (वीबीवाईएलडी) के उद्घाटन समारोह में शामिल हुए। इस दौरान अजीत डोभाल ने युवाओं से संवाद किया। डोभाल ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस देश को ऐसे मुकाम पर ले गए हैं कि अगर यह ऑटोपायलट पर भी चलता रहे, तो भी यह विकसित भारत बन जाएगा।

एनएसए डोभाल ने युवाओं से संवाद करते हुए कहा, 'मेरा कार्यक्षेत्र अलग है, मेरा अनुभव अलग है, और युवाओं के साथ उम्र का बहुत बड़ा अंतर है। आपमें से अधिकांश मुझसे 60 वर्ष से अधिक छोटे हैं, इसलिए मैं थोड़ा असमंजस में था कि आऊं या नहीं। मेरा जन्म स्वतंत्र भारत में नहीं, बल्कि स्वतंत्रता-पूर्व भारत में हुआ था। मेरी जवानी तो कब की बीत चुकी है।'

'भारत विकसित होगा, यह निश्चित है', बोले अजीत डोभाल

अजीत डोभाल ने कहा, 'आज इतना कुछ बदल गया है कि मुझे सब कुछ पता नहीं है। लेकिन एक बात समान है, चाहे आप इसे महसूस करें या न करें - एक छोटी सी बात जो आपके जीवन की दिशा तय करती है: निर्णय लेने की क्षमता। आप सभी हर दिन छोटे-बड़े फैसले लेते हैं, और जैसे-जैसे आपकी उम्र बढ़ेगी, आपको हर कदम पर फैसले लेने होंगे। भारत विकसित होगा, यह निश्चित है।'

'विश्व अर्थव्यवस्था का इतिहास' किताब का जिक्र

विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग में अजीत डोभाल ने कहा, 'आप सभी उस भारत को देखेंगे जिसकी हम कल्पना कर रहे हैं। लेकिन भारत के साथ ऐसा पहली बार नहीं हो रहा है। जब जापान का उदय हो रहा था, तब पश्चिम में इस बात पर चर्चा शुरू हुई कि क्या कोई एशियाई देश पश्चिम से आगे निकल सकता है। कैमब्रिज विश्वविद्यालय के एक प्रोफेसर को इस पर अध्ययन करने के लिए कहा गया और बाद में उन्होंने 'विश्व अर्थव्यवस्था का इतिहास' नामक पुस्तक लिखी, जिसमें पहली से उन्नीसवीं शताब्दी तक का इतिहास शामिल है।' एनएसए ने युवाओं को बताया कि इस किताब में उन्होंने कहा कि 1700 वर्षों तक अधिकांश समय भारत, और कभी-कभी चीन, विश्व अर्थव्यवस्था का नेतृत्व करते रहे, और दोनों मिलकर इसका 55-60 प्रतिशत हिस्सा बनाते थे। भारत ने कई सफलताएं देखी हैं। हम कभी विज्ञान, अर्थव्यवस्था और प्रौद्योगिकी के शिखर पर थे, लेकिन हमारा पतन हुआ क्योंकि कुछ भी स्थायी नहीं है। यह एक निरंतर संघर्ष है। राष्ट्रवाद और स्वयं राष्ट्र को मजबूत बने रहने के लिए निरंतर कोशिश की जरूरत होती है, और यह संघर्ष कभी समाप्त नहीं होता।'

'शक्तिशाली हैं तो आजाद रहेंगे', बोले डोभाल

उन्होंने कहा, 'दुनिया भर में चल रहे सभी संघर्ष और युद्ध इसलिए हैं क्योंकि कुछ देश दूसरों पर अपनी इच्छा थोपना चाहते हैं और इसके लिए अपनी पूरी शक्ति का इस्तेमाल कर रहे हैं। लेकिन अगर आप शक्तिशाली हैं, तो आप स्वतंत्र रहेंगे। अगर आत्मविश्वास नहीं है, तो सारी शक्ति और हथियार बेकार हैं। आज हमारे देश में ऐसा नेतृत्व होना हमारे लिए सौभाग्य की बात है। उनकी प्रतिबद्धता, समर्पण और कड़ी मेहनत हम सभी के लिए प्रेरणा है। जैसा कि नेपोलियन ने एक बार कहा था कि मैं एक भेड़ के नेतृत्व में 1000 शेरों से नहीं डरता, बल्कि एक शेर के नेतृत्व में 1000 भेड़ों से डरता हूं।'

अजीत डोभाल ने शहीदों को लेकर क्या कहा?

एनएसए ने कहा कि यह भारत वैसा स्वतंत्र नहीं था जैसा आप आज देखते हैं। हमारे पूर्वजों ने बलिदान दिए, अपमान सहे और कई लोगों को फांसी दी गई।

भगत सिंह को फांसी दी गई, सुभाष चंद्र बोस ने जीवन भर संघर्ष किया और महात्मा गांधी ने सत्याग्रह का मार्ग प्रशस्त किया। अनगिनत लोगों ने अपनी जान गंवाई।

हमारे मंदिर नष्ट किए गए, गांवों को लूटा गया और हमारी सभ्यता को कुचल दिया गया, जबकि हम असहाय, मूक दर्शक बने रहे।

इतिहास हमें चुनौती देता है। आज के युवाओं में वह जोश है। हालांकि बदला लेना अच्छा शब्द नहीं है, लेकिन यह शक्तिशाली है। हमें अपने मूल्यों पर आधारित एक महान भारत का पुनर्निर्माण करके अपने देश का बदला लेना होगा।

सामंथा की 'मां इंटी बंगारम' का टीजर रिलीज, एक्शन अवतार में नजर आईं एक्ट्रेस; फैंस बोले– रोंगटे खड़े हो गए

सामंथा रुथ प्रभु दमदार अंदाज में बड़े पर्दे पर वापसी कर रही हैं। उनकी आगामी फिल्म 'मां इंटी बंगारम' का टीजर जारी हो गया है। यहां देखिए टीजर में क्या है खास

एक्ट्रेस-प्रोड्यूसर सामंथा रुथ प्रभु की नई फिल्म 'मां इंटी बंगारम' का टीजर आज रिलीज हो गया है। फिल्म को लेकर काफी दिनों से इंतजार था। अब आज टीजर देखने के बाद फैंस का उत्साह फिल्म के लिए और भी बढ़ गया है। टीजर में इमोशन से लेकर एक्शन तक देखने को मिल रहा है। यहां जानते हैं कैसा है फिल्म का टीजर

आदर्श बहू बन सामंथा ने किया जबरदस्त एक्शन

सामंथा ने अपने इंस्टाग्राम पर बहुप्रतीक्षित टीजर साझा किया है। 1 मिनट 47 सेकंट के इस टीजर की शुरुआत में एक महिला (सामंथा) अपने पति के साथ ससुराल पहुंचती है। वह आत्मविश्वास से वादा करती है कि एक हफ्ते के भीतर वह उनका दिल जीत लेगी। एक आदर्श बहू बनने की कोशिश में वह एक पूरी तरह से कमीशन जांच शुरू कर देती है। हालांकि, वह अपने ससुराल वालों के सामने मासूम और शांत दिखती है। टीजर में सामंथा को एक दमदार एक्शन रोल में दिखाया गया है। उन्हें अकेले ही गुंडों को ढेर करते, भीषण गोलीबारी में शामिल होते और बाद में लाशों को ठिकाने लगाकर खून-खराबे को छिपाते हुए देखा जा सकता है। टीजर शेयर करते हुए सामंथा ने कैप्शन में लिखा, 'यह गोल्ड बेहद बोल्ड है।'

पति राज निदिमोरू ने किया प्रोड्यूस

इस फिल्म का निर्माण सामंथा के पति राज निदिमोरु ने किया है। जबकि फिल्म का निर्देशन नंदिनी रेड्डी ने किया है। नंदिनी और सामंथा की जोड़ी 'ओह! बेबी' के बाद दोबारा साथ में लौटी है। सामंथा के साथ फिल्म में गुलशन देवैया और दिगंथ मुख्य भूमिकाओं में हैं। जबकि दिग्गज अभिनेत्रियां गौतमी और मंजुषा अहम किरदारों में नजर आएंगी। हालांकि, फिल्म की रिलीज डेट अभी सामने नहीं आई है।

फैंस को पसंद आया टीजर

टीजर दर्शकों को काफी पसंद आया है। कई यूजर्स ने सामंथा की बड़े पर्दे पर दमदार वापसी पर खुशी जताई है। एक फैन ने लिखा कि टीजर देखकर रोंगटे खड़े हो गए। फिल्म की रिलीज का बेसब्री से इंतजार है। जबकि एक ने लिखा की जबरदस्त एक्शन देखने को मिल रहा है। तो वहीं कई प्रशंसकों ने सामंथा को एक्शन अवतार में देखकर खुशी जताई है। फैंस को सबसे ज्यादा बस में सामंथा का एक्शन सीन काफी पसंद आ रहा है, जहां वो साड़ी पहनकर जबरदस्त एक्शन करती नजर आ रही हैं।

द राजा साब का क्रेज : बढ़ी प्रभास की फिल्म की टिकट की कीमत, एक शो के लिए देने होंगे इतने दाम

आंध्र प्रदेश सरकार का एक नोटिस सामने आया है। सरकार द्वारा जारी किए गए आदेश के अनुसार, आज 9 जनवरी से शुरू होने वाले रेगुलर शो के लिए टिकट की कीमतें सिंगल स्क्रीन में 150 रुपये और मल्टीप्लेक्स में 200 रुपये बढ़ा दी गई हैं। इसका मतलब है कि आंध्र प्रदेश में पहले दस दिनों के लिए द राजा साब का टिकट सिंगल स्क्रीन में 297 रुपये और मल्टीप्लेक्स में 377 रुपये होगा।

प्रभास स्टारर द राजा साब आज 9 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है। यह तेलुगु हॉरर-कॉमेडी कई भाषाओं में रिलीज होगी। प्रभास की जबरदस्त फैन फॉलोइंग की वजह से इसके बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन करने की उम्मीद है। इसी बीच आंध्र प्रदेश सरकार ने एक नया आदेश जारी किया है, जिसमें प्रभास की संक्रांति पर रिलीज होने वाली फिल्म के लिए टिकट की कीमतें बढ़ाने की इजाजत दी गई है।

आंध्र प्रदेश सरकार ने प्रभास-स्टारर द राजा साब के लिए टिकट की कीमतें बढ़ाने की मंजूरी दे दी है, जिससे 2026 की संक्रांति पर रिलीज से पहले फिल्म को लेकर चर्चा और बढ़ गई है। इस आदेश के तहत, इस हफ्ते से पूरे राज्य में पेड प्रीमियर और रेगुलर शो दोनों के लिए कीमतें बढ़ाई जा सकेंगी।

सरकार के निर्देश के अनुसार, द राजा साब के पेड प्रीमियर शो कल से शुरू होंगे, और इन स्पेशल स्क्रीनिंग के लिए टिकट की कीमत 1000 रुपये तय की गई है। इस कदम का मकसद प्रभास की पहली हॉरर फैंटेसी फिल्म को लेकर लोगों में भारी उत्साह का फायदा उठाना है।

कीमतों में बढ़ोतरी के अलावा, मेकर्स को इस दौरान हर दिन पांच शो तक दिखाने की इजाजत भी दी गई है। उम्मीद है कि इस फैसले से फेस्टिव सीजन में दर्शकों की संख्या में काफी बढ़ोतरी होगी और प्रभास की यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त ओपनिंग करेगी।

सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन ने फिल्म को यू/ए 16+ सर्टिफिकेट दिया है। मेकर्स ने बोर्ड के सुझाव के अनुसार दो सीन में बदलाव किए।फिल्म का रनटाइम 189 मिनट है।

मारुति की निर्देशित फिल्म द राजा साब में मालविका मोहनन, निधि अग्रवाल और रिद्धि कुमार फीमेल लीड रोल में हैं। एसएस थमन म्यूजिक कंपोजर हैं। प्रभास के साथ, फिल्म में संजय दत्त और बोमन ईरानी भी हैं।

द राजा साब को एक हॉरर फैंटेसी एंटरटेनर बताया जा रहा है और यह इस जॉनर में प्रभास की पहली फिल्म है। यह फिल्म पीपल मीडिया फैक्ट्री और आईवीवाई एंटरटेनमेंट द्वारा मिलकर प्रोड्यूस की गई है। द राजा साब पूरे भारत में आज 9 जनवरी को हिंदी, तेलुगु, तमिल, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं में रिलीज होगी।

रिलीज हुआ तस्करी-द स्मगलर्स वेब का ट्रेलर, इमरान हाशमी ने स्मगलिंग रैकेट को खत्म करने की खाई कसम

फिल्म हक के बाद इमरान हाशमी अपनी नई सीरीज तस्करी-द स्मगलर्स वेब के जरिए अपने फैंस को एक तोहफा देने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। मेकर्स ने इसका ट्रेलर लॉन्च किया। ट्रेलर में लुका-छुपी का खेल नजर आया है। इसमें तस्कर चीजों को छिपाना अपनी कला मानते हैं, वहीं इमरान हाशमी चीजों को ढूंढने में अपनी महारत समझते हैं।

2 मिनट 29 सेकेंड के ट्रेलर में नजर आ रहा है कि इमरान हाशमी एक कस्टम अफसर हैं। उनको सस्पेंड कर दिया गया है। देश के जिम्मेदार देश में तस्करी रोकना चाहते हैं इसलिए वह उन अधिकारियों की तलाश करते हैं जो ईमानदार हैं। ऐसे में इमरान हाशमी समेत तीन कस्टम ऑफिसर्स का सस्पेंशन रोका जाता है। इसके बाद ये लोग विलेन के रूप में नजर आए शरद केलकर को तस्करी से रोकते हैं।

ट्रेलर में इमरान हाशमी ने अपने तेवर दिखाए हैं। अमृता खानविलकर ने इमरान हाशमी का साथ दिया है। शरद केलकर विलेन के रूप में जमे हैं। नंदी सिंह संधू ने भी अच्छी अदाकारी की है। इंस्टाग्राम पर ट्रेलर जारी करते हुए नेटफ्लिक्स ने लिखा है अपनी कुर्सी की पेटी बांध लें। तस्करों, खराब लैंडिंग के लिए तैयार हो जाओ, क्योंकि अब सब कुछ स्कैन होगा। तस्करी- द स्मगलर्स वेब 14 जनवरी को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित। शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com